श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे (President Gotabaya Rajapaksa) ने बुधवार को कहा कि वह इस हफ्ते एक नया प्रधानमंत्री नियुक्त करेंगे जो देश के सबसे खराब आर्थिक संकट पर सरकार विरोधी व्यापक विरोध प्रदर्शनों के बीच संवैधानिक सुधारों को पेश करेगा।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 148 दिनांक:12-05-2022 गुरूवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

द कपिल शर्मा शो में फिल्म भूल भुलैया 2 का प्रमोशन करने कियारा आडवाणी और कार्तिक आर्यन पहुंचे है इस अवसर पर सभी ने जमकर मस्ती की है कियारा आडवाणी की फिल्में काफी पसंद की गई है

देशद्रोह के आरोपों में जेल में हैं 13 हजार लोग, सुप्रीम कोर्ट के फैसले से मिलेगी राहत

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश की सुप्रीम कोर्ट ने अपने देशद्रोह मामले में एक अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने फिलहाल कानून पर रोक लगा दी है। खास बात है कि केंद्र सरकार ने कानून की समीक्षा की बात कही है। शीर्ष न्यायालय का कहना है कि वह कुछ जनहित याचिकाओं के चलते कानून को खत्म नहीं कर सकते, लेकिन समीक्षा पूरी होने तक इसपर रोक लगा सकते हैं। शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में देशद्रोह के सभी लंबित मामलों पर रोक लगा दी है। साथ ही पुलिस और प्रशासन को सलाह दी है कि केंद्र की समीक्षा पूरी होने तक कानून की इस धारा का इस्तेमाल नहीं करें। मुख्य न्यायाधीश एनवी रमणा ने कहा, 'अगर नया मामला दर्ज किया जाता है, तो संबंधित पार्टियां इसे जल्दी खत्म करने के लिए कोर्ट का रुख कर सकती हैं।'

सीजेआई ने कहा कि कानून का दुरुपयोग रोकने के लिए केंद्र सरकार को राज्य सरकारों के लिए निर्देश जारी करने की आजादी है। उन्होंने कहा, 'दोबारा जांच पूरी होने तक कानून के इस प्रावधान का दोबारा इस्तेमाल नहीं करना ठीक होगा। हम उम्मीद करते हैं कि जांच पूरी होने तक केंद्र और राज्य 124एके तहत कोई भी एफआईआर दर्ज करने या कार्रवाई शुरू करने से बचेंगे।'

मुख्य न्यायाधीश ने कहा, 'भारत संघ कानून पर दोबारा विचार करेगा।' याचिकाकर्ताओं का कहना है कि कानून का दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एटॉर्नी जनरल ने भी हनुमान चालीसा मामले में देशद्रोह के आरोप का जिक्र किया। साथ ही जांच पूरी होने तके दोबारा इसका इस्तेमाल नहीं करने की बात की। केंद्र ने प्रस्ताव दिया है कि भविष्य में धारा 124ए के तहत एफआईआर केवल पुलिस अधीक्षक या इससे ऊपर के अधिकारियों की जांच के बाद दर्ज की जा सकेंगी। सरकार ने कहा कि लंबित मामलों में कोर्ट जमानत पर जल्दी विचार करने के निर्देश दे सकता है। याचिकाकर्ताओं की ओर से कोर्ट में पेश हुए वकील कपिल सिब्बल ने कहा, 'देशभर में देशद्रोह के 800 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। 13 हजार लोग जेल में हैं।' देशद्रोह कानून के पक्ष में खड़ी सरकार लगातार इसे चुनौती देने वाली याचिका खारिज करने की मांग कर रही है। सरकार ने कोर्ट में कहा कि उसने कानून की समीक्षा करने का फैसला किया है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देशों के बाद यह फैसला किया है।

उधर, आदेश के तुरंत बाद, केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि वह 'अदालत और इसकी स्वतंत्रता का सम्मान करते हैं,' लेकिन एक 'लक्ष्मण रेखा' है जिसे पार नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा, 'हमने अपनी स्थिति बहुत स्पष्ट कर दी है और अपने पीएम (प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी) के इरादे के बारे में अदालत को सूचित किया है। हम अदालत और इसकी स्वतंत्रता का सम्मान करते हैं। लेकिन एक 'लक्ष्मण रेखा' है जिसका सम्मान सभी अंगों द्वारा किया जाना चाहिए।'

इसके अलावा केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम भारतीय संविधान के प्रावधानों के साथ-साथ मौजूदा कानूनों का भी सम्मान करें। बता दें कि अपनी सुनवाई में शीर्ष अदालत ने कहा है कि जो लोग इस कानून की धारा 124 ए के तहत जेल में बंद हैं वे जमानत के लिए कोर्ट में जाएं। इससे पहले सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि सरकार पुलिस को देशद्रोह के प्रावधान के तहत संज्ञेय अपराध दर्ज करने से नहीं रोक सकती, लेकिन एक सक्षम अधिकारी (एसपी रैंक) की संस्तुति के बाद ही 124ए के मामले दर्ज किए जाएं। ऐसा किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि लंबित राजद्रोह के मामलों की समीक्षा की जा सकती है। 124ए के तहत दर्ज मामलों में जल्द से जल्द जमानत देने पर विचार किया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने इस केस को लेकर तीन अहम बातें कही। पहला फिलहाल कोई मुकदमा इस मामले में दर्ज नहीं होगा। दूसरा पेंडिंग मामलों में जो मुकदमे इस धारा के तहत दर्ज है उन्हे ठंडे बस्ते में रखा जाएगा। ये सारे आदेश तब तक लागू रहेंगे जब तक कोर्ट कोई अगला आदेश न दे या फिर सरकार इस पर कोई फैसला न ले ले। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को बड़ा फैसला देते हुए राजद्रोह कानून के तहत कोई नया केस दर्ज करने पर रोक लगा दी। चीफ जस्टिस एनवी रमण की बेंच ने केंद्र सरकार को देशद्रोह कानून धारा 124ए पर पुनर्विचार करने की इजाज़त देते हुए कहा कि इस प्रावधान का उपयोग तब तक करना उचित नहीं होगा। जब तक कि इस पुनर्विचार की प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती।

आसियान देशों में चुनाव सुधारों से जुड़ी मुहिम की अगुवाई करेगा भारत, मनीला में हुई बैठक में मिली अहम जिम्मेदारी

नई दिल्ली। देश में निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव कराने वाला भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) अब वैश्विक स्तर पर भी चुनाव सुधारों से जुड़ी मुहिम की अगुवाई करेगा। आसियान देशों में चुनावी प्रक्रिया को सशक्त बनाने से जुड़े संगठन एसोसिएशन आफ आसियान इलेक्शन अथारिटीज (एएईए) का अगले दो सालों के लिए अध्यक्ष भारत निर्वाचन आयोग को बनाया गया है।

मौजूदा समय में एएईए का अध्यक्ष मनीला निर्वाचन आयोग है। यह ऐलान मनीला में आयोजित संगठन की महासभा में किया गया है। एसोसिएशन आफ आसियान इलेक्शन अथारिटीज का गठन 1998 में किया गया था। मौजूदा समय में करीब 20 देश इसके सदस्य है। भारत निर्वाचन आयोग इसका संस्थापक सदस्य है। इससे पहले वर्ष 2011-13 के बीच भी भारत एएईए का अध्यक्ष रह चुका है।

यह घटनाक्रम ऐसे वक्त में सामने आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्रों के संगठन (आसियान) के नेताओं से मुलाकात करने वाले हैं। मौजूदा वक्त में रूस यूक्रेन युद्ध के कारण दुनियाभर में हालात खराब हो गए हैं। सामरिक, आर्थिक, मानवीय और कूटनीतिक समस्याओं से पूरी दुनिया बेहाल है। अमेरिका इस बात को लेकर सक्रिय नजर आ रहा है कि इंडो पैसिफिक में चीन का दबदबा नहीं बढ़ने पाए।

राजस्थान के भीलवाड़ा में फिर सांप्रदायिक तनाव!

- भाजपा-विहिप ने बुलाया बंद, इंटरनेट सेवाएं भी प्रतिबंधित

भीलवाड़ा (ईएमएस)। राजस्थान के भीलवाड़ा में फिर सांप्रदायिक तनाव का मामला सामने आया है। मंगलवार को एक युवक की हत्या के बाद इलाके में जहां इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं, वहीं भाजपा ने इस मुद्दे को लेकर बुधवार को बंद का आह्वान किया है। जानकारी के मुताबिक मंगलवार को भीलवाड़ा में 22 साल के एक युवक की कथित तौर पर दूसरे समुदाय के लोगों द्वारा चाकू से गोदकर हत्या किए जाने के बाद तनाव फिर से बढ़ गया। पुलिस ने बताया कि पैसों के विवाद में यह हत्या की गई है। तनाव को देखते हुए भीलवाड़ा के जिला कलेक्टर आशीष मोदी ने इलाके में इंटरनेट सेवाएं बंद रखने का फैसला किया है। मोदी ने कहा ?कि गुरुवार 12 मई को सुबह 6 बजे तक भीलवाड़ा में इंटरनेट सेवाएं निलंबित रहेंगी। घटना की जानकारी मिलने के बाद भारतीय जनता पार्टी, विश्व हिंदू परिषद और हिंदू जागरण मंच ने इलाके में बंद का ऐलान किया है। गौरतलब है ?कि कुछ दिन पहले भी भीलवाड़ा में दो समुदायों में बवाल हुआ था। इस विवाद में आगजनी भी हुई थी और दो लोग घायल भी हुए थे। मामले के बाद पुलिस ने इलाके में भारी पुलिस फोर्स तैनात की थी।

बेलगावी जिले में मस्जिद पर भगवा झंडा पैहराने से तनाव, बढाई गई सुरक्षा

बेलागवी (कर्नाटक), । कर्नाटक वै बेलगावी जिले वै एवै गांव में बुधवार वीे वुा बदमाशों ने एवै मस्जिद पर भगवा झंडा पैहराने वै बाद तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई। पुलिस वै मुताबिवै, ब्रह्म मुहूर्त पर ो बदमाश मस्जिद वीे मीनार पर ािमढ गए और भगवा झंडा पैहराा।। ाह घटना सुबह पऩवैाश में आई, जिससे क्षेत्र में तनाव पैदा हो गाा।

ाह घटना जिले वै मुदलागी तालुवै में सत्तीगेरी मद्दी मस्जिद में हुई। पुलिस ने मौवै पर पहुंाविर स्थिति वीे निांत्रित विाा। पुलिस ने हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदाों वै नेताओं वीे बैठवै वीे और भगवा झंडा हटा दिाा। हालांवि पुलिस ने स्थिति वीे निांत्रित विाा, लेविन सभी संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बमढा दी गई है। हालांवि पुलिस ने स्थिति वीे निांत्रित वैर लिाा, लेविन विसी भी अपिऩा घटना से बािने वै लिए जिले वै सभी संवेदनशील इलावीें में सुरक्षा बमढा दी गई है।

इस घटना ने पूरे राज में दहशत पैदा वैर दी और ाीिता पैदा वैर दी वाोंवि राज में पहले ही लाउडस्पीवैर पर बैन (थ्दले्र्जर्वी दै) हिंदू संगठनों फारा आंदोलन देखा जा रहा है। सरवैार ने सुपऩीम कोर्ट वै दिशा-निद×शों वीे घोषणा वीे है और वैहा है वि उन्हें लागू विाा जाएगा। हिंदू संगठनों (प्गेल र्ुहर्ूग्दहे) ने वैहा है वि वे गाइडलाइन वीे जल्द से जल्द लागू होते देखना ाीहते हैं। कर्नाटक में लाउडस्पीवैर विवाद बमढता दिख रहा है। मस्जिदों में लाउडस्पीवैर वीा इस्तेमाल जारी रहने वै बाद इसवै विरोध में पिाले सोमवार वीे मंदिरों में भी हनुमान ाीलीसा वीा पाठ विाा गाा। ाह अभिाान्ाीराम सेना सहित वैई हिंदू संगठनों ने ाीलााा।

कर्नाटक वै बेलगावी जिले वै एवै गांव में बुधवार वीे वुा बदमाशों ने एवै मस्जिद पर भगवा झंडा पैहराने वै बाद तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई। ब्रह्म मुहूर्त पर ो बदमाश मस्जिद वीे मीनार पर ािमढ गए और भगवा झंडा पैहराा। वहीं दूसरी ओर हिंदू संगठनों (प्गेल र्ुहर्ूग्दहे) ने कर्नाटक सरवैार पर मस्जिदों में लाउडस्पीवैर वै इस्तेमाल वीे रोवैने में नावैाम रहने वीा आरोप लगााा है। बेंगलुअ सहित वैई स्थानों पर हिंदू संगठनों वै वीार्वैर्ताओं वीे हिरासत में लिाा गाा है। बेंगलुअ, हुबली, बेलागवी, मैसूर, ाादगीर, मांडाा और वैालार सहित राज वै विभिन्न स्थानों वै मंदिरों में हनुमान ाीलीसा वीा पाठ विाा गाा।

काम में ढिलाई के चलते हटाए गए यूपी के पुलिस महानिदेशक मुकुल गोयल

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक मुकुल गोयल को शासकीय काम में ढिलाई बरतने और विभागीय कार्यों में रुचि न लेने के कारण बुधवार शाम को उनके पद से हटा दिया गया है। अकर्मण्यता के कारण उन्हें पुलिस महानिदेशक पद से मुक्त करते हुए डीजी नागरिक सुरक्षा के पद पर भेजा गया है।

मुकुल गोयल ने 2 जुलाई 2021 को पुलिस महानिदेशक का पदभार संभाला था। वह 1987 बैच के आईपीएस अफसर हैं। इससे पहले वह केंद्र में बीएसएफ में अपर पुलिस महानिदेशक ऑपरेशंस के पद पर तैनात थे। जिसके बाद उन्हें यूपी डीजीपी के पद पर नियुक्त किया गया था।

चीन ने बौद्ध भिक्षु रिनपोछे की मौत की खबर छुपाई, चुपचाप कराया अंतिम संस्कार

नई दिल्ली (ईएमएस)। इस बार ड्रैगन ने बेहूदगी की हद पार कर दी है। चीन ने तिब्बत के लोकप्रिय बौद्ध भिक्षु चोकत्रुल दावा रिनपोछे की मौत की खबरों को गुप्त रखने का प्रयास किया। बौद्ध भिक्षु चोकत्रुल दावा रिनपोछे ने 86 साल की उम्र में आखिरी सांस ली। उनकी मौत की खबरों को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से हटा दिया गया। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार चीनी अधिकारियों ने 86 वर्षीय रिनपोछे की मौत को गुप्त रखने का प्रयास किया। तिब्बती बौद्ध भिक्षु की मृत्यु से संबंधित सभी पोस्ट ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से हटा दिए गए और उनके निधन की खबरों से संबंधित पोस्ट साझा करने वालों के खिलाफ कड़ी चेतावनी जारी की गई थी।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, भक्तों को तिब्बती बौद्ध भिक्षु को अंतिम श्रद्धांजलि देने से रोक दिया गया और न ही भक्तों को आशीर्वाद प्राप्त करने की अनुमति दी गई। तिब्बती बौद्ध भिक्षु के अनुयायियों के काफी ज्यादा अनुरोधों के बाद उनके पार्थिक शरीर को ल्हासा से नागचू के गदेन दरग्यलिंग मठ में शिफ्ट किया गया, जहां पर सिर्फ कुछ तिब्बतियों को ही श्रद्धांजलि अर्पित करने की अनुमति दी गई। जिसकी वजह से चीनी पुलिस और तिब्बतियों के बीच हाथापाई तक की नौबत आ गई।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, रिनपोछे का अंतिम संस्कार उनके मठ के कुछ ही भिक्षुओं की उपस्थिति में किया गया, जिनकी पहले अच्छी तरह से तलाशी ली गई थी। तिब्बत पर कब्जे के साथ ही चीन ने तिब्बतियों के साथ अन्याय और अत्याचार किए हैं और ऐसी घटना कोई पहली दफा नहीं हुआ है। इतना ही नहीं चीन के अत्याचारों के चलते काफी संख्या में तिब्बतियों ने दूसरे देशों में शरण ले ली।

इंटरनेट मीडिया के लिए कानून और सख्त करने की तैयारी, मौजूदा आइटी कानून में भी हो सकता है बदलाव

नई दिल्ली। तेजी से बदल रहे इंटरनेट मीडिया को जिम्मेदार बनाने के लिए सरकार नया कानून लाने की तैयारी में है। सरकार का मानना है कि अभी इंटरनेट मीडिया में जिम्मेदारी का भाव नहीं है। इन पर जो कंटेंट पोस्ट होते हैं, उन्हें लेकर जवाबदेही तय करने की जरूरत है। 2021 में ट्विटर जैसे इंटरमीडियरीज को जवाबदेह बनाने के लिए सरकार आइटी नियम लाई थी। उसके बाद कुछ सुधार तो हुए लेकिन अभी भी इंटरमीडियरीज के साथ-साथ यूटयूब, आनलाइन चैनल्स जैसे कई मामलों में जवाबदेही का अभाव है। लिहाजा कानून को और सख्त बनाने पर विचार हो रहा है।

मंत्रालय सूत्रों के मुताबिक, इलेक्ट्रानिक्स व आइटी मंत्रालय ऐसा कानून लाने की तैयारी कर रहा है, जिसके तहत साइबर सुरक्षा, इंटरनेट मीडिया की जिम्मेदारी व सुरक्षित इंटरनेट से जुड़े नियम होंगे। डाटा सुरक्षा को भी इस नए कानून के दायरे में लाया जाएगा। अभी देश में डाटा सुरक्षा को लेकर कोई नियम-कानून नहीं है, इस वजह से वाट्सएप जैसे प्लेटफार्म की दलील होती है कि जब डाटा सुरक्षा को लेकर कोई कानून ही नहीं है तो वे किस कानून का पालन करें।

मंत्रालय सूत्रों के मुताबिक, सोशल मीडिया पर दिए जाने वाले कंटेंट को लेकर जिम्मेदारी तय करना जरूरी है। इस दिशा में काम शुरू हो गया है, लेकिन अभी इसकी समय सीमा नहीं बताई गई है। सरकार आस्ट्रेलिया व दक्षिण कोरिया जैसे देशों में बनाए गए डाटा सुरक्षा व सोशल मीडिया कानून को भी खंगाल रही है। प्रस्तावित कानून के तहत अगर इंटरनेट मीडिया या इंटरमीडियरीज के प्लेटफार्म पर चलने वाले कंटेंट की विश्वसनीयता को कोई चुनौती देता है और कंपनी उस चुनौती को गलत साबित नहीं कर पाती है तो उस प्लेटफार्म के खिलाफ कार्रवाई हो सकती है।

सूत्रों का कहना है कि टेलीकाम मंत्रालय 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी संबंधी प्रस्तावों को जल्द ही कैबिनेट की मंजूरी के लिए पेश किया जाएगा। 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी जून-जुलाई में शुरू हो सकती है और इस साल अगस्त-सितंबर में 5जी सेवा शुरू हो जाएगी। टेलीकाम कंपनियों को 20 साल के लिए स्पेक्ट्रम दिए जाएं या 30 साल के लिए, अभी इस पर अंतिम फैसला नहीं किया गया है। दोनों ही विकल्प खुले हुए हैं। वहीं, निजी कंपनियां भी 5जी स्पेक्ट्रम के लिए नीलामी में हिस्सा ले सकती हैं या फिर निजी कंपनियां लीज पर भी 5जी स्पेक्ट्रम ले सकती हैं।

रूस ने घातक 'किंजल मिसाइल' से किया हमला

नई दिल्ली (ईएमएस)। युद्धग्रस्त देश यूक्रेन रूसी हमलों से बेजार है। रूस के सैन्य अभियान को आज 76वां दिन है। ढाई महीने से का वक्त बीत गया है दोनों देशों के बीच शुरू हुई जंग को। इस जंग में दोनों ही देशों को नुकसान पहुंचा है लेकिन यूक्रेन को रूस से कहीं कई गुना ज्यादा नुकसान हुआ है। यूक्रेन के कई बड़े शहर पूरी तरह से तबाह गए हैं। मंगलवार को भी रूस के कई शहरों में मिसाइल से हमले हुए, जिसकी वजह से ढाई महीने बाद भी हवाई हमलों के सायरन लगातार बजते सुनाई दे रहे हैं। इस बीच विजय दिवस के मौके पर सोमवार को रूस के मिसाइल हमले में यूक्रेन का ओडेसा बंदरगाह पूरी तरह से तबाह हो गया। यूक्रेन की तरफ से दावा किया गया कि रूसी सेना ने सात मिसाइलें दागी थी जिनमें से तीन हाइपरसोनिक रॉकेट थे। एक रॉकेट शॉपिंग सेंटर में गिरा जबकि एक राकेट एक गोदाम में गिरा। बताया जा रहा है कि इस हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि पांच लोग घायल हो गए। यूक्रेन का दावा है कि जिस हाइपरसोनिक रॉकेट का इस्तेमाल किया गया वह रूसी सेना की खूंखार किंजल या फिर डैगर मिसाइल थी जो कि हवा से सतह में मार करने वाली मिसाइल है।

रिपोर्ट के अनुसार इससे पहले रूस की तरफ से इस खूंखार मिसाइल का इस्तेमाल युद्ध शुरू होने के कुछ दिन बाद मार्च में यूक्रेन के गोला बारूद के भंडार को नष्ट करने के लिए किया गया था। तब रूस ने खुद इस बात को स्वीकार किया था कि उसने सैन्य अभियान शुरू होने के बाद पहली बार किंजल मिसाइल का प्रयोग किया था। बता दें कि किंजल हाइसोनिक मिसाइलों को डैगर्स के नाम से भी जाना जाता है। इन मिसाइलों का निशाना अचूक है। किंजल मिसाइलों में 480 से लेकर 500 किलोग्राम तक का पेलोड होता है। दुश्मन देश के लिए किंजल मिसाइल कितनी खूंखार है उसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यह अपने टॉर्गेट पर हवा की गति से 10 गुना तेजी से वार करती है। इतनी अधिक रफ्तार होने की वजह से यह बड़ी आसानी से एयर डिफेंस सिस्टम को भी मात दे देती है। इस मिसाइल को रूस यूक्रेनी हवाई क्षेत्र के बाहर से भी लॉन्च कर सकता है। यूक्रेन के थिंक टैंक सेंटर फॉर डिफेंस स्ट्रैटेजीज के मुताबिक यह किंजल मिसाइल में 480 किलोग्राम तक का परमाणु पेलोड ले जाने में सक्षम है। उम्मीद जताई जा रही थी कि राष्ट्रपति व्यालदिमीर पुतिन विजय दिवस के मौके पर यूक्रेन के खिलाफ सैन्य अभियान को रोकने का ऐलान कर सकते हैं लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया बल्कि इसके अतिरिक्त उन्होंने इस युद्ध को एक आवश्यक कदम के लिए सही प्रतिक्रिया करार दिया।

आईएएस पूजा सिंघल को ईडी ने किया गिरफ्तार

लगातार दूसरे दिन ईडी की टीम ने पूजा सिंघल से पूछताछ के बाद किया गिरफ्तार

रांची (ईएमएस)। प्रवर्त्तन निदेशालय (ईडी) ने आईएएस पूजा सिंघल और उनके दूसरे पति अभिषेक झा को बुधवार शाम को गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले सुबह करीब 11 बजे से ईडी के अधिकारी पूजा सिंघल से लगातार पूछताछ कर रहे थे।

वरिष्ठ कांग्रेसी नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पंडित सुखराम शर्मा का 94 साल की उम्र में निधन

नई दिल्ली (ईएमएस)। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पंडित सुखराम शर्मा का निधन हो गया है। 94 वर्षीय सुखराम सात मई से दिल्ली के एम्स में जीवनरक्षा प्रणाली (वेंटिलेटर) पर थे। ज्ञात हो कि सुखराम को चार मई को ब्रेन स्ट्रोक हुआ था। फिर उनको मंडी (हिमाचल प्रदेश) के एक हॉस्पिटल में भर्ती किया गया था। फिर बाद में उनको एयरलिफ्ट करके दिल्ली एम्स लाया गया था। कांग्रेस नेता और सुखराम शर्मा के पोते आश्रय शर्मा ने फेसबुक पोस्ट में दादा के निधन की जानकारी दी थी। मंगलवार रात को उन्होंने लिखा, 'अलविदा दादाजी, अभी नहीं बजेगी फोन की घंटी।'

आश्रय शर्मा ने दादा संग अपने बचपन की एक तस्वीर भी शेयर की है। हालांकि, फेसबुक पोस्ट में इस बात का जिक्र नहीं है कि सुखराम का निधन कब हुआ। सुखराम का जन्म 27 जुलाई 1927 को हुआ था। उनके दूसरे पोते आयुष शर्मा अभिनेता हैं। उन्होंने सलमान खान की बहन से शादी की है।

सुखराम शर्मा साल 1993-1996 के बीच केंद्रीय राज्य मंत्री, संचार (स्वतंत्र प्रभार) रहे थे। वह मंडी (हिमाचल प्रदेश) से लोकसभा सांसद थे। अपने राजनीतिक जीवन में सुखराम पांच बार विधानसभा और तीन बार लोकसभा चुनाव जीते। अब सुखराम के बेटे अनिल शर्मा मंडी से बीजेपी विधायक हैं।

साल 2011 में उनको पांच साल की सजा भी हुई थी। उनपर 1996 में संचार मंत्री रहते भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे। 1993 में सुखराम जब मंडी लोकसभा से सांसद थे, तब उनके बेटे इसी सीट से विधानसभा चुनाव जीते थे। लेकिन फिर 1996 में अनिल शर्मा को कांग्रेस से निकाल दिया गया था क्योंकि उनका नाम टेलिकॉम घोटाले में आया था। फिर अनिल ने हिमाचल विकास कांग्रेस पार्टी बनाई थी। पार्टी ने बीजेपी से गठबंधन किया था और सरकार में भी शामिल हुई थी। फिर 2017 के विधानसभा चुनाव से पहले सुखराम ने अपने बेटे अनिल शर्मा और पोते आश्रय शर्मा के साथ बीजेपी ज्वाइन कर ली थी। लेकिन फिर 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले सुखराम और आश्रय ने दोबारा कांग्रेस का दामन थामा था। आश्रय ने लोकसभा चुनाव भी लड़ा था लेकिन वह जीत नहीं सके थे।

पोखरण परमाणु परीक्षण को पूरे हुए 24 वर्ष

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर बुधवार को देश के वैज्ञानिकों और उनके प्रयासों की प्रशंसा की। मालूम हो कि पोखरण परमाणु परीक्षण की वर्षगांठ पर यह दिवस मनाया जाता है। उन्होंने इस मौके पर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को भी याद किया और उनके राजनीतिक साहस की प्रशंसा की। मोदी ने ट्वीट किया, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर आज हम अपने उत्कृष्ट वैज्ञानिकों और उनके प्रयासों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। उनके प्रयासों से 1998 में हमें पोखरण परमाणु परीक्षण में सफलता हासिल हुई।

उन्होंने कहा, हम अटल जी के कुशल नेतृत्व को भी गर्व के साथ याद करते हैं, जिन्होंने उत्कृष्ट राजनीतिक साहस और राजनीतिक कौशल का परिचय दिया। ज्ञात हो कि भारत के वैज्ञानिक कौशल और तकनीकी प्रगति को चिह्नित करने के लिए 1999 से 11 मई के दिन को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के रूप में मनाया जाता है। वर्ष 1998 में आज ही के दिन भारत ने वाजपेयी के नेतृत्व में पोखरण में पांच परमाणु परीक्षणों में से पहला परीक्षण किया था।भारत यह उपलब्धि हासिल कर परमाणु सम्पन्न देशों में शामिल होने वाला छठा देश बना था। भारत ने आज ही के दिन स्वदेश निर्मित हंस-3 विमान और छोटी दूरी की मिसाइल 'त्रिशूल' का भी सफल परीक्षण किया था, जो देश के लिए एक कीर्तिमान साबित हुआ। इन परीक्षणों से भारत ने पूरे विश्व में अपनी सामरिक शक्ति का प्रदर्शन किया।

कार्टून कोना

कोरोना घट-बढ़ जारी, देश में बीते एक दिन में 2,897 नए केस सामने आए, 54 मरीजों ने दम तोड़ा

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में कोरोना की घट-बढ़ लगातार जारी है। एक दिन में कोविड-19 के 2,897 नए मामले सामने आने से देश में कोरोना वायरस से अब तक संक्रमित हो चुके लोगों की संख्या बढ़कर 4,31,10,586 हो गई। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 19,494 रह गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बुधवार को सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, भारत में संक्रमण से 54 और लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 5,24,157 हो गई है। देश में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 19,494 हो गई है, जो कुल मामलों का 0.05 प्रतिशत है।

पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 143 की कमी दर्ज की गई। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.74 प्रतिशत है। अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण की दैनिक दर 0.61 प्रतिशत और साप्ताहिक दर 0.74 प्रतिशत है। देश में अभी तक कुल 4,25,66,935 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और कोविड-19 से मृत्यु दर 1.22 प्रतिशत है। वहीं, राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 190.67 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी हैं।

गौरतलब है कि देश में सात अगस्त 2020 को कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे। पिछले साल चार मई को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। इस साल 26 जनवरी को मामले चार करोड़ के पार हो गए थे।

नेपाल भारत को सौंपेगा पश्चिमी सेती हाइड्रोपॉवर प्रोजेक्ट

-पीएम मोदी की नेपाल यात्रा के दौरान होगा समझौता

नई दिल्ली (ईएमएस)। नेपाल सरकार ने पश्चिमी सेती हाइड्रोपॉवर प्रोजेक्ट के विकास को लेकर भारत से बातचीत करने का फैसला किया है। उल्लेखनीय है कि इस प्रोजेक्ट को लेकर नेपाल पहले चीन के साथ बातचीत कर रहा था। नेपाली मीडिया के मुताबिक साल 2012 और 2017 में इस हाइड्रोपॉवर प्रोजेक्ट को लेकर चीनी कंपनियों से समझौता किया गया था। अब नेपाल के पीएम शेर बहादुर देउबा ने जानकारी दी है कि सेती हाइड्रोपॉवर प्रोजेक्ट को लेकर नेपाल भारत से बातचीत कर रहा है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक इस प्रोजेक्ट से 1250 मेगावाट बिजली पैदा की जा सकती है। देउबा ने बताया है कि पीएम नरेंद्र मोदी 16 मई लुंबिनी आ रहे हैं और इसी दौरान उनसे पश्चिमी सेती हाइड्रोपॉवर प्रोजेक्ट को लेकर बातचीत की जाएगी। उन्होंने बताया है चूंकि भारत नेपाल में चीनी कंपनियों द्वारा उत्पादित ऊर्जा खरीदने को लेकर अनिच्छुक है, ऐसे में हम भारतीय डेवलपर्स की भागीदारी के लिए पीएम मोदी से बात करेंगे।

उल्लेखनीय है कि नेपाल के सुदूरपश्चिम प्रदेश में सेती नदी पर बनने वाली प्रस्तावित 1250 मेगावाट की पश्चिमी सेती हाइड्रोपॉवर प्रोजेक्ट को लेकर पिछले छह दशकों से बातचीत हो रही है। देउबा ने बताया है कि पश्चिमी सेती हाइड्रोपॉवर प्रोजेक्ट के विकास के लिए एक विश्वसनीय भारतीय कंपनी के साथ निर्णायक बातचीत की जरूरत है। हमें सर्दियों में ऊर्जा सुरक्षा के लिए भंडारण-प्रकार के प्रोजेक्ट्स में निवेश करने की जरूरत है। उल्लेखनीय है कि नेपाल और भारत पंचेश्वर बहुउद्देशीय प्रोजेक्ट को भी विकसित करने के लिए बातचीत कर रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पश्चिमी सेती हाइड्रोपॉवर प्रोजेक्ट को जमीन पर उतारने का प्लान 1981 से जारी है। 1981 में एक फ्रांसीसी कंपनी सोग्रेह ने 37 मेगावाट के प्रोजेक्ट को लेकर स्टडी की गई थी, लेकिन इस प्लान में बांध बनाने की बात नहीं थी। बाद में 1987 में उसी फ्रांसीसी कंपनी ने अपने प्लान में बदलाव किया और कहा कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना 380 मेगावाट का भंडारण किया जा सकता है। लेकिन 1994 में इस प्रोजेक्ट के सर्वेक्षण के लिए एक ऑस्ट्रेलियाई कंपनी को लाइसेंस मिला। 1997 में इस कंपनी को लाइसेंस दिया गया। इस प्रोजेक्ट के तहत 90 फीसद बिजली भारत को बेचने का इरादा था। इतना सब कुछ होने के बाद भी प्रोजेक्ट पर काम नहीं शुरू हो सका।

फिर चीनी कंपनी चाइना नेशनल मशीनरी एंड इक्विपमेंट इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कॉरपोरेशन में इसमें निवेश करने की इच्छा जताई। 2009 में नेपाल के तत्काल पीएम माधव नेपाल चीन के दौरे पर गए तो समझौते पर साइन किए। चीनी फर्म ने इसमें नेपाली 15 अरब रुपये लगाने का फैसला किया। लेकिन बाद में इस कंपनी ने निवेश के लिए अनुकूल वातावरण नहीं होने का कारण बताकर प्रोजेक्ट को छोड़ने की बात कही। फिर नेपाल सरकार ने लाइसेंस रद्द कर दिया। 2017 में फिर दूसरी चीनी थ्री गोरजेस इंटरनेशनल कारपोरेशन कंपनी आई।

2018 में इस कंपनी ने भी भारी पुनर्वास और पुनर्वास लागत को कारण बताकर प्रोजेक्ट छोड़ने की बात कही। रिपोर्ट्स के मुताबिक नई दिल्ली ने नेपाल से दो टूक कहा है कि अगर काठमांडू भारत के पावर एक्सचेंज मार्केट में बिजली बेचने की योजना बना रहा है तो यह सुनिश्चित करना होगा कि उन हाइड्रोपॉवर प्रोजेक्ट्स में कोई चीनी घटक नहीं होगा। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि यही कारण है कि नेपाल पश्चिमी सेती हाइड्रोपॉवर प्रोजेक्ट को लेकर भारत के पास पहुंचा है।

जन हितैषी

संतूर के उस्ताद

भारतीय संगीतकार और संतूर वादक पंडित शिवकुमार शर्मा का मुंबई में कार्डियक अरेस्ट के कारण निधन हो गया। वह 84 वर्ष के थे। वह पिछले छह महीने से किडनी संबंधी समस्याओं से पीडित थे और डायलिसिस पर थे। पंडित शिव कुमार शर्मा का सिनेमा जगत में अहम योगदान रहा। बॉलीवुड में शिव-हरी नाम से मशहूर शिव कुमार शर्मा और हरि प्रसाद चौरसिया की जोड़ी ने कई सुपरहिट गानों में संगीत दिया था। इसमें से सबसे प्रसिद्ध गाना फिल्म चांदनी का मेरे हाथों में नौ-नौ चूडियां रहा, जो दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी पर फिल्माया गया था। शिव कुमार शर्मा का 15 मई को कॉन्सर्ट होने वाला था। सुरों के सरताज को सुनने के लिए कई लोग बेताब थे। शिव-हरि (शिव कुमार शर्मा और हरि प्रसाद चौरसिया) की जुगलबंदी से अपनी शाम रौनक करने के लिए लाखों लोग इंतजार कर रहे थे। लेकिन अफसोस इवेंट से कुछ दिन पहले ही शिव कुमार शर्मा ने इस दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया। अपने खास अंदाज से उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय संगीत को पहचान दिलाई। हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में पंडित शिवकुमार शर्मा ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसके साथ ही उन्होंने मनोरंजन जगत में अपनी प्रतिभा का लोह मनवाया। उन्होंने बांसुरी के दिग्गज पंडित हरि प्रसाद चौरसिया के साथ मिलकर सिलसिला, लम्हे और चांदनी जैसी फिल्मों के लिए संगीत तैयार किया था। पंडित शिवकुमार शर्मा ने सिलसिला फिल्म के थीम सॉन्ग का संगीत भी तैयार किया। 1981 में आई इस फिल्म में अभिनेता अमिताभ बच्चन, अभिनेत्री जया बच्चन और रेखा ने मुख्य भूमिका निभाई थी। हरिप्रसाद चौरसिया और शिवकुमार शर्मा ने इस फिल्म को बैकग्राउंड स्कोर प्रदान किया। यह फिल्म भले ही असफल रही, मगर इसके गाने काफी हिट हुए। इस फिल्म के ये कहां आ गए हम, देखा एक ख्वाब, रंग बरसे भीगे चुनरवाली गाने आज भी लोग गुनगुनाते हैं। फिल्म सिलसिला के लिए यश चोपड़ा नया संगीतकार ढूंढ रहे थे। उन्होंने शिवहरि को संगीतकार के रूप में चुना। दोनों ने खुद को साबित कर दिखाया। शिवहरि ने सिलसिला फिल्म के गानों के लिए अलग तरह की धुनें बनाईं। इस फिल्म में लता मंगेशकर और किशोर कुमार के अलावा अमिताभ बच्चन से भी गाने गवाए। सिलसिला के लिए बेस्ट म्यूजिक डायरेक्टर का अवॉर्ड मिलने के बाद यह जोड़ी यश चोपड़ा की फिल्मों के लिए संगीत देने लगी। 1985 में आई फासले, 1988 में आई विजय असफल रहीं, लेकिन संगीत हिट रहा। फ्लॉप फिल्मों के दौर से गुजर रहे यश चोपड़ा ने 1989 में ऋषि कपूर, श्रीदेवी और विनोद खन्ना को लेकर चांदनी फिल्म बनाई। फिल्म की रिलीज से पहले ही इस फिल्म के गाने हिट हो गए। शिव हरि के संगीत से फिल्म हिट हुई। इन दोनों के संगीत ने यश चोपड़ा के करियर को फिर पटरी पर पहुंचाया। शिवकुमार शर्मा और हरिप्रसाद चौरसिया ने मिलकर कुल आठ फिल्मों के लिए साथ काम किया। इनमें से सात फिल्में यश चोपड़ा ने निर्देशित कीं। 1993 में आई साहिबां इकलौती ऐसी फिल्म थी, जिसे यश चोपड़ा ने नहीं बनाया था। इन दोनों ने एक साथ कई फिल्मों में संगीत दिया है और अनेक एलबम भी बनाए हैं। शिवहरि की जोड़ी यश चोपड़ा की फिल्मों के संगीतकार के रूप में भी विख्यात रही है। पंडित शिवकुमार शर्मा का जन्म जम्मू में पंडित उमा दत्त शर्मा के घर 13 जनवरी 1938 को हुआ था। उनके पिता ने उन्हें महज पांच वर्ष की आयु से तबला और गायन की शिक्षा देना शुरू कर दिया था। उनके पिता ने संतूर वाद्य पर शोध किया और वह शिवकुमार को भारतीय शास्त्रीय संगीत को संतूर पर बजाते हुए देखना चाहते थे। शिवकुमार शर्मा ने 13 वर्ष की आयु से ही संतूर बजाना शुरू कर दिया। आगे चलकर उन्होंने अपने पिता के सपने को भी पूरा किया। पंडित शिव कुमार शर्मा ने जम्मू कश्मीर में संतूर को एक म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट के तौर पर पहचान दिलाई। उनका पहला कार्यक्रम मुंबई में 1955 में किया था। इसके बाद उन्होंने इसे देश ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में संतूर को मशहूर किया। हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में पंडित शिवकुमार शर्मा का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

चिंतन शिविर या चिंता-शिविर?

उदयपुर में कांग्रेस का चिंतन-शिविर आयोजित किया जा रहा है। सबसे आश्चर्य तो मुझे यह जानकर हुआ कि इस जमावड़े का नाम चिंतन-शिविर रखा गया है। हमारे नेता और चिंतन! इन दो शब्दों की यह जोड़ी तो बिल्कुल बेमेल है। भला, नेताओं का चिंतन से क्या लेना-देना? छोटी-मोटी प्रांतीय पार्टियों की बात जाने दें, देश की अखिल भारतीय पार्टियों के नेताओं में चिंतनशील नेता कितने है? क्या उन्होंने गांधी, नेहरु, जयप्रकाश, लोहिया, नरेंद्रदेव की तरह कभी कोई ग्रंथ लिखा है? अरे लिखना तो दूर, वे बताएंगे कि ऐसे चिंतनशील ग्रंथों को उन्होंने पढ़ा तक नहीं है। अरे भाई, वे इन किताबों में माथा फोड़ें या अपनी राजनीति करें? उन्हें नोट और वोट उधेड़ने से फुरसत मिले तो वे चिंतन करें। वे चिंतन शिविर नहीं, चिंता-शिविर आयोजित कर रहे हैं। उन्हें चिंता है कि उनके नोट और वोट खिसकते जा रहे हैं। इस चिंता को खत्म करना ही इस शिविर का लक्ष्य है। ऐसा नहीं है कि यह चिंतन-शिविर पहली बार हो रहा है। इसके पहले भी चिंतन-शिविर हो चुके हैं। उनकी चिंता भी यही रही कि नोट और वोट का झांझ कैसे बजता रहे? किसी भी राजनीतिक दल की ताकत बनती है, दो तत्वों से! उसके पास नीति और नेतृत्व होना चाहिए। कांग्रेस के पास इन दोनों का अभाव है। नेतृत्व का महत्व हर देश की राजनीति में बहुत ज्यादा होता है। भारत-जैसे देश में तो इसका महत्व सबसे ज्यादा है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा मूर्तिपूजक देश है। मूर्ति चाहे बेजान पत्थर की ही हो लेकिन भक्तों को सम्मोहित करने के लिए वह काफी होती है। आज कांग्रेस में ऐसी कोई मूर्ति नहीं है। अशोक गहलोत, भूपेश बघेल और कमलनाथ ने अपने-अपने प्रांत में अच्छा काम कर दिखाया है लेकिन क्या कांग्रेसी इनमें से किसी को भी अपना अध्यक्ष बना सकते हैं ? कांग्रेस की देखादेखी हमारी सभी पार्टियां प्राइवेट लिमिटेड कंपनियां बन गई हैं। उक्त सुयोग्य नेताओं की हैसियत भी सिर्फ मेनेजरों से ज्यादा नहीं है। यदि कांग्रेस पार्टी में राष्ट्रीय और प्रांतीय अध्यक्षों और पदाधिकारियों का चुनाव गुप्त मतदान से हो तो इस महान पार्टी को खत्म होने से बचाया जा सकता है। लेकिन सिर्फ कोई नया नेता क्या क्या कर लेगा? जब तक उसके पास कोई नई वैकल्पिक नीति, कोई सामायिक विचारधारा और कोई प्रभावी रणनीति नहीं होगी तो वह भी मरे सांप को ही पीटता रहेगा। वह सिर्फ सरकार पर छींटाकशी करता रहेगा, जिस पर कोई ध्यान नहीं देगा। आजकल कांग्रेस, जो मां-बेटा पार्टी बनी हुई है, वह यही कर रही है। कांग्रेस के नेता अगर चिंतनशील होते तो देश में शिक्षा, चिकित्सा और रोजगार को लेकर कोई क्रांतिकारी योजना पेश करते और करोड़ों लोगों को अपने साथ जोड़ लेते लेकिन हमारी सभी पार्टियां चिंतनहीन हो चुकी है। चुनाव जीतने के लिए वे भाड़े के रणनीतिकारों की शरण में चली जाती हैं। सत्तारूढ़ होने पर उनके नेता अपने नौकरशाहों की नौकरी करते रहते हैं। उनके इशारों पर नाचते हैं और सत्तामुक्त होने पर उन्हें बस एक ही चिंता सताती रहती है कि उन्हें येन, केन, प्रकारेण कैसे भी फिर से सत्ता मिल जाए। (लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक/ईएमएस)

दैनिक पंचांग

12 मई 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

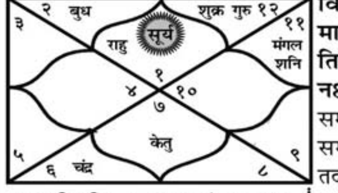

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	05.35 बजे से
चंद्र	कन्या में	मिथुन	07.33 बजे से
मंगल	कुंभ में	कर्क	09.46 बजे से
बुध	वृष में	सिंह	12.02 बजे से
गुरु	मीन में	कन्या	14.14 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	16.25 बजे से
शनि	कुंभ में	वृश्चिक	18.40 ब.से
राहु	मेष में	धनु	20.56 बजे से
केतु	तुला में	मकर	23.01 बजे से
राहुकाल	1.30 से 3.00 बजे तक	कुंभ	00.47 बजे से
		मीन	02.20 बजे से
		मेष	03.51 बजे से

गुरुवार 2022 वर्ष का 132 वां दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2079 **शक संवत्** 1944 **मास** वैशाख **पक्ष** शुक्ल **तिथि** एकादशी 18.52 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराफाल्गुनी 19.30 बजे को समाप्त। **योग** हर्षण 17.50 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 07.18 बजे तदनन्तर विष्टि 18.52 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 11.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 18° 05' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871246 **जूलियन दिन** 2459711.5 **कलियुग संवत्** 5123 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2548 **हिजरी सन्** 1443 **महीना** सव्वाल **तारीख** 10 **विशेष** मोहिनी एकादशी व्रत।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संविधान और कानून से ही समस्या का हल

जैसी की चर्चा है कि राष्ट्र में वर्तमान विपक्ष की ठसत्ता प्राप्ति की जुगत एवम कुंठाओठ से राष्ट्र में में कुछ अप्रिय घटनाएं घट रही है । वर्तमान सरकार की ओर से बयान आया है कि ये मात्र संयोग नही बल्कि योजनाबद्ध है।

पूरे देश मे हिंदुओं की पारंपरिक शोभा यात्राओं पर कुछ मुस्लिम कट्टरपंथी जेहादियों द्वारा पथराव पर सुप्रीम कोर्ट में भी याचिका दायर कर एनआईऐ से जांच की मांग की गई है ।

पहले हुई और वर्तमान में घटित इन सब घटनाओ के संदर्भ में

सोशल मीडिया पर समय समय पर चर्चा चलती रहती है । जिसमे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से लिखा जाता है कि प्रधानमंत्री मोदी ने समृद्धि और विकास पर पूरा ध्यान दिया, लेकिन शत्रु-बोध और सुरक्षा को भूल गए।

जब इन घटनाओं के संदर्भ में सोशल मीडिया पर संवाद होता है तो पूछा जाता है कि सरकार क्या कर सकती है, तो उत्तर में भी वही लिखा जाता है जो सरकार पहले से ही कर रही है।

ये संवाद निम्नानुसार होता है

सलाह 1 -मोदी सरकार गड़बड़ी वाले राज्यों में प्रभावी राज्यपाल नियुक्त करे।

उत्तरः क्या जगदीप धनकर एवं आरिफ मोहम्मद खान कम प्रभावी है?

सलाह2- राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, महिला आयोग, बाल विकास आयोग के माध्यम से राज्य सरकारों के गलत कामों में बाधाएं खड़ी करें।

उत्तरः यह पहले से ही हो रहा है। यहाँ तक कि सम्बंधित हाई कोर्ट में कई केस चल रहे है। सीबीआई एवं प्रवर्तन निदेशालय ऐसे कई पॉलिटिशियन एवं सम्बंधियों पर शिकंजा कस रही है। दिल्ली दंगो में लगभग 450 के विरूद्ध चार्जशीट दायर हो चुकी है। उमर खालिद दो वर्ष से जेल में है। ष्गिस्र्हीत इदमृलि कानून संशोधित किया जा रहा है जिससे अब अधिकतर मामलो में सजा हो सकेगी; सर्वोच्च न्यायलय ने इदीगुह ण्दह्रींग्ल-ूदह्र्हिसह्सह्रू्ीू को स्वीकृति दे दी है जिसके अंतर्गत सरकार द्वारा ऱ्उध को विदेशी फंडिंग नियंत्रित करने पर मोहर लगा दी है। और यह सब हुआ है पिछले एक सप्ताह में। लेकिन यह सब जानने के लिए संसद में देश के गृहमंत्री श्रीअमित शाह के चार संबोधन आपको सुनने होंगे ।

सलाह 3-राज्यों को आवंटित किए जाने वाले केंद्रीय फंड को जारी करने में अनावश्यक विलंब करें, अड़ंगे लगाएं, जांच बिठाएं, और ऐसे सभी मार्गो से सतत दबाव बनाए रखें।

उत्तरः राज्यों को आवंटित किए जाने वाले केंद्रीय फंड को जारी करने में अनावश्यक विलंब नहीं किया जा सकता। मोदी जी ने फ़ेडरल व्यवस्था को बदल दिया है, ना तो आप उएऊ रोक सकते है; ना ही वित्त आयोग समर्थित अन्य फंडिंग का बटवारा। हाँ, केंद्रीय योजनाओ की फंडिंग को रोका जा सकता है और ऐसे किया भी गया है। याद करिए कि पश्चिम बंगाल में कृषि निधि योजना का फंड नहीं भेजा जा रहा था।

सलाह 3- आए दिन भाजपा या आनुषांगिक संगठनों के कार्यकर्ता की हत्याएं होती रहती हैं, तब मौन बैठे रहने की बजाय ऐसे हर घर में सांत्वना देने और उस अर्थी को कंधा देने भाजपा के किसी बड़े नेता या मंत्री को अवश्य पहुंचना चाहिए।

उत्तरः भाजपा या आनुषांगिक संगठनों के कार्यकर्ता की हत्याएं के बाद घर में सांत्वना देने और उस अर्थी को कंधा देने भाजपा के के राज्य अध्यक्ष, अन्य प्रभारी, स्थानीय श्ड एवं श्र्ठ जाते है (क्या आप सुवेन्दु अधिकारी को ट्विटर पर फॉलो करते है)। उन राज्यों में अपनी यात्रा के दौरान स्वयं नड्डा जी एवं अमित शाह भी ऐसे लोगो के परिवारों में मिलते है।

सलाह 4- केन्द्र सरकार को अपने तरीकों से सुप्रीम कोर्ट के जजों और उनके परिवारजनों की गतिविधियों पर ध्यान देना चाहिए और उनकी कमजोरियों का राष्ट्रहित में लाभ उठाना चाहिए।

उत्तरः अधिक लिखना उचित नहीं होगा। लेकिन पिछले तीन वर्षो के निर्णय सामने रख सकते है कि उन निर्णयों में क्या लिखा था। आप कदाचित एकाध फर्जी एक्टिविस्ट की विदेश यात्रा को लेकर भड़क सकते है; लेकिन क्या उन एक्टिविस्ट पर केस निरस्त हो गया है?

सलाह 5 - सरकार को शाहीन बाग, लालकिला झंडा कांड में गोली चलाना चाहिए थीं।

उत्तर - कुछ लोग सीधे हिंसा का समर्थन करते है, लेकिन तब चुप्पी साध जाते है जब पूछा जाता है कि उन कदमो को उठाने के बाद क्या होगा? यमन, उक्रैन, सीरिया, लीबिया, श्री लंका इत्यादि में भी ऐसे ही कदम उठाये गए है? क्या परिणाम निकला? क्या होगा जब कोर्ट निर्णय लेगा? क्या होगा जब पेट्रोल 150 रुपये पहुँच जाएगा? क्या होगा जब मंहगाई की दर 50ङ्ग पार कर जायेगी? क्या होगा जब भारत की विदेशी मुद्रा जब्त कर ली जायेगी? तब उत्तर नहीं है।

ध्यान रखिए देश तोड़क शक्तियां चाहती है कि सरकार हिंसा का सहारा ले। कारण यह है कि सरकारी हिंसा के बाद वह हिंसा कैसे समाप्त होगी, यह अराजक शक्तियां तय करेगी। उनमे से कुछ लोग वही है जिन्हे सीमावर्ती राज्यों में जनता ने भारी, बहुत भारी, बहुमत से सत्ता दी है।

अराजकता एवं अशांति के समय पूँजी निवेश, उद्यम एवं व्यापार में रिस्क अत्यधिक बढ़ जाता है। परिणामस्वरूप पूँजी का ठदामठ बढ़ जाता है; इंश्योरेंस कॉस्ट बढ़ जाती है; लोन मिलना दुरूह हो जाएगा; रातो-रात मंहगाई बढ़ जाती है; लोग उद्यम नहीं लगाना चाहेंगे। जान-माल की अपूर्णनीय हानि होगी; यात्रा असुरक्षित हो जाती है। महिलाओ के अधिकारों का पाश्विक हनन होगा; सरकार अस्थिर हो जाती है; देश की सीमाओं पे असुरक्षा बढ़ जायेगी।

आप पेट्रोल, नींबू, प्याज के दामों पर भड़क जाते है; क्या आप 50ङ्ग से अधिक मंहगाई दर को झेल पाएंगे?

चीन ने राष्ट्रीय समरसता के लिए एक्शन तब लिया जब उनकी अर्थव्यवस्था 9 ट्रिलियन डॉलर हो गयी थी।

और आप चाहते है कि भारत बिना किसी तैयारी के अभी एक्शन ले ले जिससे उत्पन्न आंतरिक हिंसा से राष्ट्र का विकास रुक जाएगा।

यही उन लोगो के लीडर भी चाहते है जो गलत नाम से, पहचान छुपा कर, ईमान के नाम पर पता नहीं क्या-क्या कर लेते है।

सरकार संविधान और कानून में जो प्रावधान दिए गए हैं उनका विधिसम्मत प्रयोग बुद्धिमानी से करके देश की आंतरिक सुरक्षा कर रही हेब।

अत: सोशल मीडिया पर ऐसी पोस्ट के द्वारा अपने नेतृत्व को ही कमजोर करना बुद्धिमानी नही कही जा सकती है क्योकि भड़के हुए समर्थक या तो वोट डालने नहीं निकलेंगे; या फिर नोटा दबा आएंगे। फिर वही दोहराया जाएगा जो जहांगीराबाद,करोली ,खरगोन में हुआ ।

इसलिए किसी भी विषय, परिस्थिति या घटनाक्रम को जानने समझने के लिए जिस संवेदनशीलता, धैर्य, संयम और सामान्य समझ की आवश्यकता होती है, वह अधिकांश लोगों में नदारद पाया जाता है। अधिकांश लोग कुंठा जनित आवेग या हताशा में प्रतिक्रियावादी मात्र होते हैं।

सौभाग्य की बात है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा का शीर्ष नेतृत्त्व इस यथार्थ से भलीभांति परिचित है और उसी अनुरूप नीतियां बनाकर धैर्य, संयम तथा व्यवहारकुशलता के साथ आगे बढ़ रहा है। (लेखक- - डॉ. विश्वास चौहान / ईएमएस)

अपनी उपेक्षा से खफ़ा है स्वतंत्रता सेनानी परिजन!

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन / ईएमएस)

देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में हुए स्वतंत्रता सेनानी एवं उनके उत्तराधिकारियों के सम्मेलन में देशभर से आज़ादी के लिए मर मिटने वाले शहीदों के वंशज,जीवित स्वतंत्रता सेनानी व उनके उत्तराधिकारी शामिल हुए।अमर शहीद चंद्रशेखर आज़ाद, मंगल पांडे,रानी लक्ष्मी बाई,अशफ़ाक़ उल्ला खां, जगदीश प्रसाद वत्स ,उधम सिंह समेत शहीदों के लगभग बीस वंशजो की गरिमामयी उपस्थिति के बीच लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष सुमित्रा महाजन पधारी तो विधायक एवं पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा भी दो दिनों तक सम्मेलन में मौजूद रहे।एक स्वतंत्रता सेनानी तो 112 वर्ष की आयु के थे,जिन्होंने अपने संबोधन में माना कि वे देश के लिए लड़े लेकिन आज उपेक्षा से आहत है।इस सम्मेलन को इंदौर के किसी भी अखबार ने अपने यहां जगह नही दी। जिससे लगता है कि इंदौर भले ही सफाई में अव्वल हो ,लेकिन राष्ट्रभक्तो का सम्मान करने के लिए उनके पास समय नही है।न ही इस सम्मेलन के प्रति उनकी कोई रुचि दिखाई पड़ी।अलबत्ता कांग्रेस विधायक सज्जन सिंह वर्मा ने अवश्य अपना फ़र्ज निभाया।लेकिन इंदौर के अन्य 6 विधायको व एक सांसद ने देश के जीवित बचे सम्मेलन में पधारे स्वतंत्रता सेनानियों, अमर शहीदों के वंशजो से मिलना तक गंवारा नही किया।शायद वे भूल गए कि ब्रिटिश हुकूमत की दो सौ साल की गुलामी यूं ही समाप्त नही हुई थी।जिन अंग्रेजों के राज में कभी सूरज नही डूबता था ,उन्ही अंग्रेजों को भारत की बागडोर रात के अंधेरे में देश के नायकों को सौंपनी पड़ी थी।आज़ादी की लड़ाई नरम व गर्म विचारधाराओं के साथ लड़ी गई, दोनों का उद्देश्य सिर्फ ओर सिर्फ देश की आजादी था।जिसे पाने के लिए अनेक बलिदान दिए गए ,जन्मे बच्चों से लेकर युवा,प्रौढ़ और बुजुर्ग सभी आयु वर्ग के थे।इस आज़ादी और आजादी के दीवानों को याद करने के लिए पूरा देश आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रहा है।जिसके लिए दो सौ करोड़ का बजट भी खर्च किया जा रहा है।लेकिन क्या वास्तव में आज़ादी के दीवानों और उनके परिजनों को अभी तक वह सम्मान मिल पाया है,जिसके वे हकदार है?इसी विषय पर दो दिनों तक विचार मंथन किया गया। स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी परिवार समिति समेत देश के 28 स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संगठनों ने संयुक्त रूप से मध्यप्रदेश के इंदौर में 6 व 7 मई को यह राष्ट्रीय सम्मेलन आहूत किया था। स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी परिवार समिति के राष्ट्रीय महासचिव जितेन्द्र रघुवंशी इस सम्मेलन के सूत्रधार रहे है।इस सम्मेलन में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवारों की जहां पीड़ा व्यक्त की गई, वही अपनी उपेक्षा की तरफ सरकार का ध्यानाकर्षण भी कराया गया।आज़ादी के अमृत महोत्सव वर्ष में सरकार व नोकरशाही द्वारा की जा रही इस उपेक्षा और अपमान से देश भर के स्वतंत्रता सेनानी संगठन व उनसे जुड़े दो करोड़ परिवारजन आक्रोशित नज़र आए।

इस सम्मेलन में देश के स्वतंत्रता सेनानी परिवारों के हितों की रक्षा करने के लिए संघर्ष का आव्हान किया गया। इस सम्मेलन में देश भर से लगभग 50 जीवित स्वतंत्रता संग्राम सेनानी,उनकी वीरांगनाओ, शहीदों के वंशजो तथा लगभग 250 स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी शामिल हुए।सम्मेलन में पारित प्रस्ताव के तहत दिल्ली में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्मारक की स्थापना की मांग करने के साथ ही संवैधानिक संस्थाओं में सेनानी परिवारों का मनोनयन किये जाने,स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी परिवार आयोग का गठन करने,स्वतंत्रता सेनानी परिवार को राष्ट्रीय परिवार का दर्जा देने, आर्थिक सहायता दिए जाने का प्रावधान बनाने , शैक्षणिक पाठयक्रम में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की जीवनी शामिल करने की मांग की गई है।

इस राष्ट्रीय सम्मेलन में स्वतंत्रता सेनानी संगठनों के प्रतिनिधियों की समन्वय समिति बनाकर इन मुद्दों पर राष्ट्रव्यापी आंदोलन चलाने की घोषणा भी की गई।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं उनके उत्तराधिकारियों के सम्मान की रक्षा तथा उनकी समस्याओं के निराकरण के प्रति केंद्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा बरती जा रही उदासीनता के प्रति सरकारों को सचेत करने के लिए स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी परिवार का यह आयोजन मील का पत्थर सिद्ध हुआ है।

ईएमएस/ 11 मई 2022

आज का इतिहास 12 मई

1535 ब्रिटेन और स्काटलैंड में शांति संधि हुई.
1666 शिवाजी पुरंधर संधि के बाद औरंगजेब के सामने पेश होने के लिए आगरा पहुंचे.
1689 ब्रिटेन और हालैंड आसबर्ग लीक के सदस्य बने.
1915 क्रांतिकारी रासबिहारी बोस भारत से गए.
1943 द्वितीय विश्वयुद्ध में जर्मन कमांडर के आत्मसमर्पण के साथ उत्तर अफ्रीका की लड़ाई समाप्त हुई.
1949 सोवियत संघ ने बर्लिन की नाकेबंदी समाप्त की.
1965 पश्चिम जर्मनी ने इजरायल के साथ राजनायिक संबंध स्थापित करने की घोषणा की.
1969 मतदान की आयु 21 से घटाकर 18 वर्ष की गई.
1991 नेपाली कांग्रेस को नेपाल के पहले बहुदलीय चुनावों में भारी सफलता मिली.
1997 रूस के राष्ट्रपति बोरिस येल्तसिन और चेचेन नेता अस्लम मक्सादोव में शांति संधि हुई.
1998 केंद्रीय कर्मचारियों की सेवानिर्वत्ति की आयु 58 वर्ष से 60 वर्ष तक बढ़ाई गई.
1999 प्रसिद्ध मोहिनी अट्टम नृत्यांगना कल्याणी कुट्टीअम्मा का निधन.
2001 पोर्टो रिको की सुंदरी मिस यूनिवर्स बनीं.
2002 नई दिल्ली से पटना जा रही श्रमजीवी एक्सप्रेस जौनपुर के पास पटरी से उतरी,12 मरे व 100 अन्य घायल हुए.

कष्ट और बलिदान

(चिंतन) दुनिया में अच्छा करने के लिए हमें इस जीवन में दुख या दुख की जरूरत नहीं है।

हम में से कई लोगों का यह गहरा विश्वास है कि दुनिया में अच्छा करने के लिए हमें कष्ट सहना पड़ता है और त्याग करना पड़ता है। यह आमतौर पर माना जाने वाला विचार एक निश्चित मानसिकता से उपजा है, जो पूर्वजों से विरासत में मिला है जो हमारे सामने आए थे जिन्होंने इसे सच के रूप में अनुभव किया होगा। हमारे अपने पिछले जीवन के अनुभवों के विश्वास भी इस जीवन में प्रकट हो सकते हैं। यह अक्सर ऐसा तरीका होता है जिसमें झूठी मान्यताएं पकड़ लेती हैं और जाने नहीं देती हैं, भले ही वे अब प्रासंगिक नहीं हैं। हम सभी को अपना जीवन अपने समय में जीना चाहिए, और सीखना चाहिए कि हमारे लिए क्या सच है, क्योंकि बहुत कम सत्य हर समय सभी लोगों के लिए मान्य साबित होते हैं।

अपने दिमाग को झूठी धारणाओं से मुक्त रखना कोई आसान काम नहीं है, क्योंकि इसके लिए हमें पहले अपने विश्वासों को जानना होगा। बहुत बार, ये मान्यताएँ हमारे अचेतन मन में गहराई से बस जाती हैं जहाँ वे बस निर्विवाद रूप से बैठ जाती हैं। फिर भी, वे हमारे दिलों, हमारे दिमागों और हमारी वास्तविकता पर प्रभाव डालते हैं। ये विश्वास हम पर कार्य करते हैं, ऐसी स्थितियों और संबंधों का निर्माण करते हैं जिन्हें हम भाग्य के रूप में देखते हैं, जब वे वास्तव में बाहरी दुनिया में प्रकट होने वाले हमारे अचेतन दिमाग होते हैं। परिणामस्वरूप, हमें शायद यह भी पता न हो कि हम गरीबी की मानसिकता का बोझ उठा रहे हैं, और हमें आश्चर्य हो सकता है कि हम बहुतायत क्यों नहीं दिखा रहे हैं, खासकर अगर हम जानते हैं कि हम इसके लायक हैं। यदि ऐसा है, तो यह देखने का समय हो सकता है कि क्या हम अपने भीतर की बाधा को खोज सकते हैं।

विकसित होने के लिए, यह महत्वपूर्ण है कि हम अपने दिमाग और दिल की सामग्री की जांच करें और वास्तविकता के बारे में हम जो विश्वास करते हैं उसकी जड़ तक पहुंचें। आम तौर पर, इस समय की हमारी चिंताओं पर हमारी पूछताछ का मार्गदर्शन करने के लिए भरोसा किया जा सकता है। यदि हम उस बहुतायत को प्रकट और बनाए नहीं रख रहे हैं जिसके हम हकदार हैं, तो यह मुद्दा हमें अपने मानस के छिपे हुए कोनों को देखने और किसी भी शेष विश्वास को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए कह रहा है जो हमें बताता है कि हमें अच्छा करने के लिए पीड़ित होना चाहिए और बलिदान करना चाहिए। हमारे प्रयास हमें इस ऊर्जा-भंगुर विश्वास से एक कदम और दूर ले जाएंगे, जिसकी हमें अब आवश्यकता नहीं है। (लेखक-विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन / ईएमएस)

शब्द पहेली - 7283

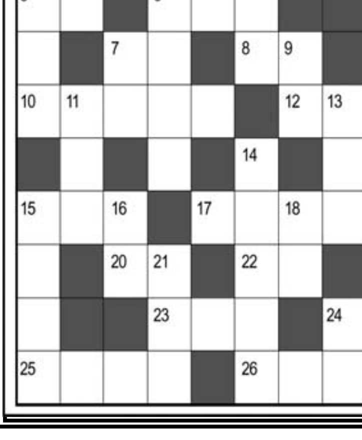

बाएँ से दाएँ

1. ईश वंदना-3
3. हाथ की तीसरी अंगुली-4
5. आगमन-2
6. स्वादिष्ट-3
7. हरसिंगार,पारिजात-2
8. क्रिकेट में बनते हैं-2
10. खौलना,उबलना-5
12. धनवान-3
15. खोदना-3
17. चुनाव,चयन-5
20. नसीब(अंग्रेजी-2)
22. कलर-2
23. रक्षक,संकटमोचक-3
24. कार्य,काज-2
25. सुंघनी,नस-4
26. पुराना जुकाम-3

ऊपर से नीचे

1. रुपए का सोलहवां भाग-2
2. कुलबुलाना,तड़पना-5
3. जो कभी बूढ़ा न हो-3
4. बंदूक की गोली-4
5. अभिलेख,लेख-3
7. रात,रात्रि (उर्दू-2)
9. मादा का विलोम-2
11. धुन,लगाव-3
13. चरित्र,नीयत-3
14. तफरीह-5
15. अनाज रखने की जगह-4
16. टोंटी,नलका-2
18. बहुमूल्य रत्न-2
19. अनाथ,बेसहारा-3
21. डोली उठाने वाले-3
24. सफेद का विलोम -2

शब्द पहेली -7282 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

राशिद टी20 प्रारुप में 450 विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज बने

मुम्बई (ईएमएस)। लखनऊ सुपर जायंट्स टीम के गेंदबाज राशिद खान ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में 4 विकेट लेने के साथ ही एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। राशिद इसी के साथ ही टी20 प्रारुप में 450 विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज और दूसरे लेग स्पिनर बने हैं। राशिद से पहले टी20 प्रारुप में ड्वेन ब्रावो और इमरान ताहिर ने 450 विकेट लिए थे।

वहीं टी20 प्रारुप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में राशिद तीसरे नंबर पर हैं। हालांकि टी20 प्रारुप में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो के नाम है। ब्रावो ने टी20 क्रिकेट में 587 विकेट लिए हैं और वह इस सूची में पहले स्थान पर हैं। वहीं इमरान ताहिर 451 विकेट के साथ दूसरे और राशिद खान 450 विकेट के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

मुम्बई को हराकर अपनी संभावनाएं बनाए रखने उतरेगी सीएसके

मुंबई (ईएमएस)। आईपीएल के 15 वें सत्र में गुरुवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का मुकाबला मुम्बई इंडियंस से होगा। सबसे अधिक बार खिताब विजेता रहीं ये दोनो ही टीमें इस बार पूरी तरह से विफल रही हैं। ऐसे में अब दोनो ही टीमों का लक्ष्य इस मैच में बेहतर प्रदर्शन कर अपना सम्मान बचाना रहेगा। यह दोनो ही टीम अंक तालिका में सबसे नीचे हैं। मुम्बई जहां पहले ही प्लेऑफ से बाहर हो गयी है , वहीं सीएसके की भी संभावनाएं तकरीबन समाप्त हैं पर अभी उसके दो मैच बचे हैं , इस कारण वह तकनीकी रुप से अभी दौड़ से बाहर नहीं हुई है। सीएसके अगर इस मुकाबले में हारती है तो बाहर हो जाएगी जबकि अगर जीतती है तो मुकाबले में बनी रहेगी। उसने पिछले मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स को 91 रन से हराया था और अब उसे इस लय को बरकरार रखने की उम्मीद है। सीएसके टीम की बल्लेबाजी कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के अलावा सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे पर भी टिकी है। कॉनवे ने इस सत्र में अब तक पारी की शुरुआत करते हुए तीन अर्धशतक लगाये हैं पर इस मैच में टीम को जीत दर्ज करनी है तो रूतुराज गायकवाड़ को भी बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

इस मैच में ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा का खेलना भी संदिग्ध है क्योंकि दिल्ली के खिलाफ पिछले मैच में वह चोटिल हो गये थे।

इस मैच में जीत के लिए सीएसके टीम को बड़ा स्कोर बनाना होगा। पिछली बार धोनी ने अंतिम क्षणों में शानदार प्रदर्शन कर अपनी टीम को जीत दिलायी थी और अब टीम को उनसे इसी प्रकार के प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। वहीं गेंदबाजी में सीएसके की टीम कमजोर नजर आती है। उसके पास स्पिनर मोईन अली के अलावा युवा तेज गेंदबाज मुकेश चौधरी और सिमरनजीत सिंह हैं। इस मैच में जीत के लिए इनको मुम्बई के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना होगा।

इसके अलावा टीम के पास स्पिनर महीष तीक्षणा है और ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो हैं जो मुकाबले में अंतर पैदा कर सकते हैं।

वहीं मुंबई की टीम के लिए यह केवल औपचारिकता भर है , ऐसे में टीम बिना किसी दबाव के अपना बेहतरीन प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी। टीम की बल्लेबाजी कप्तान कप्तान रोहित शर्मा के अलावा युवा ईशान किशन के अलावा तिलक वर्मा और कीरोन पोलार्ड पर आधारित रहेगी हालांकि उसे सूर्यकुमार यादव की कमी महसूस होगी। सूर्यकुमार चोट के कारण इस मुकाबले से बाहर हैं।

वहीं दूसरी ओर गेंदबाजी में टीम के पास अनुभवी जसप्रीत बुमराह के अलावा डेनियल सैम्स , रिले मेरेडिथ और कुमार कार्तिकेय सिंह हैं और इनका सामना करना सीएसके के बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं रहेगा।

ज्योति ने 100 मीटर बाधादौड़ में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत की ज्योति याराजी ने साइप्रस में जारी अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स मीट में 100 मीटर बाधा दौड़ 13.23 सेकंड में पूरी कर स्वर्ण पदक जीतने के साथ ही एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बनाया है। वहीं इससे पहले का राष्ट्रीय रिकॉर्ड अनुराधा बिस्वाल के नाम था जो उसने 2002 में 13.38 सेकंड में बनाया था। साइप्रस अंतरराष्ट्रीय मीट विश्व एथलेटिक्स उपमहाद्वीपीय टूर चैलेंजर वर्ग डी का टूर्नामेंट है। आंध्र प्रदेश की ज्योति ने पिछले महीने भी कोझिकोड में फेडरेशन कप में 13.09 सेकंड का समय निकाला था पर हवा की गति प्लस 2.1 मीटर प्रति सेकंड होने से उसके इस रिकार्ड को अमान्य करार दिया गया क्योंकि वैध सीमा प्लस 2.0 मीटर प्रति सेकंड है।

वहीं पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में अमलन बोरगोहेन तीसरे स्थान पर रहे।

चार साल बाद फिर आयोजित होगी आइपीएल क्लोजिंग सेरेमनी

- अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा आयोजन, रणवीर सिंह और एआर रहमान जैसे कलाकार करेंगे परफार्म

नई दिल्ली (ईएमएस)। आखिरकार चार साल के लंबे इंतजार के बाद आइपीएल क्लोजिंग सेरेमनी का आयोजन ?किया जा रहा है। बीसीसीआइ के मुता?बिक इस बार क्लोजिंग सेरेमनी अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। कोरोना की विपरीत परिस्थिति के कारण पिछले चार साल से आइपीएल संबंधी किसी भी तरह का कोई कार्यक्रम आयोजित नहीं किया गया था लेकिन इस बार लगभग सारी तैयारियां की जा चुकी है। इससे पहले 2018 में आइपीएल सेरेमनी आयोजित हुई थी। इसलिए इस बार क्लोजिंग सेरेमनी को बड़े स्तर पर मनाने की तैयारी की जा रही है। इस बार दर्शकों के लिए इस दिन रणवीर सिंह और एआर रहमान जैसे कलाकार परफार्म करते नजर आएंगे। इसके बारे में ज्यादा जानकारी देते हुए बीसीसीआइ अध्यक्ष सौरभ गांगुली ने एक अंग्रेजी वेबसाइट से कहा कि इस कार्यक्रम में भारत के 75 स्वतंत्रता दिवस पूरे होने को भी सेलिब्रेट किया जाएगा। इतना ही नहीं इस कार्यकम में भारतीय क्रिकेट ने बीते 7 दशकों में जो भी हासिल किया है उस सफर पर भी नजर डालेंगे। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद में फाइनल मैच के साथ, हम एक विशेष शो के साथ भारतीय क्रिकेट सफर को दिखाते हुए देश की 75वें स्वतंत्रता का जश्न मनाएंगे।

फाइनल के अलावा दो क्वालिफायर मैच के ?लिए बोर्ड ने ईडेन गार्डन्स का मैदान चुना है। बीसीसीआइ के अनुसार यहां भी दो छोटे कार्यक्रम आयोजित करने की योजना है। हालांकि वो कार्यक्रम किस तरह का होगा इसके बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन के फाइनल मैच और इस कार्यक्रम में भारतीय क्रिकेट के कुछ पूर्व कप्तानों को भी आमंत्रित किया जाएगा। हालांकि इस कार्यक्रम में कौन-कौन से कप्तान शामिल होंगे इसके बारे में बीसीसीआइ की तरफ से कोई जानकारी नहीं दी गई है। कार्यक्रम में भारत के 75वें स्वतंत्रता का जश्न भारत सरकार के आजादी का अमृत महोत्सवठ पहल के तहत मनाया जाएगा।

बाउचर सभी आरोपों से बरी

जोहानिसबर्ग (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के मुख्य कोच मार्क बाउचर को बड़ी राहत मिली है। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने उनके खिलाफ नस्लवाद समेत दुर्व्यवहार के सारे आरोप वापिस ले लिए है। वहीं इससे पहले बाउचर पर नस्लवादी व्यवहार का आरोप लगाया गया था जिसकी वजह से ही उन्हें कोच पद से भी हटाये जाने की संभावनाएं थी। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर पॉल एडम्स ने बाउचर पर टीम बैठकों के दौरान और मैचों के बाद नस्लवादी अपमानजनक शब्दों वाले गीत गाने का आरोप लगाया था।

इस मामले में जांच कर रही समिति सीएसए ने कहा है कि एडम्स और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व सहायक कोच एनोच एंकवे ने इस मामले में अगले सप्ताह की सुनवाई में पेश नहीं होने का फैसला किया जिसके बाद ये सारे आरोप आधारहीन लग रहे थे। वहीं इससे पहले बाउचर ने एक बयान में कहा, 'मेरे खिलाफ लगाए गए नस्लवाद के आरोप गलत हैं और इससे मैं काफी दुखी हुआ हूं। उन्होंने कहा, 'पिछले कुछ महीने मेरे और मेरे परिवार के लिए काफी कठिन रहे। मुझे खुशी है कि यह सब अब समाप्त हो रहा है और सीएसए ने स्वीकार कर लिया कि मेरे खिलाफ आरोप आधारहीन हैं। मैं समझता हूं कि मामला अब समाप्त हो गया है और इस मामले में आगे कोई बात नहीं कहना चाहता।' बाउचर ने कहा, 'मैं अपने काम पर ध्यान दे रहा हूं जिससे तहत ही टीम को नई ऊंचाइयों तक ले जाना है।' वहीं इससे पहले साल की शुरुआत में ही उन्हें नस्लवादी व्यवहार के आरोपों को लेकर एक आरोप पत्र सौंपा गया था।

विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के दूसरे दौर में पहुंची नीतू

इस्तांबुल(ईएमएस)। भारत की नीतू आईबीए महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अपने पहले ही मुकाबले में 5-0 से जीत के साथ ही दूसरे दौर में पहुंच गयी है। नीतू ने 48 किग्रा भार वर्ग में रोमानिया की अनुभवी स्टेलयुटा डुटा को आसानी से हराकर राउंड ऑफ 16 में प्रवेश किया। नीतू ने इस मुकाबले में अपने को संयमित बनाए रखते हुए रोमानिया की डुटा को पहले ही दौर में पीछे छोड़ा। इसके बाद दूसरे और तीसरे दौर में भी नीतू शानदार प्रदर्शन कर विजेता बनीं। वहीं नीतू से पहले भारत की ही लवलीना बोरगोहेन को जीत मिली थी। अब अंतिम-16 दौर के मैच में नीतू का मुकाबला स्पेन की लोपेज डेल अर्बोल मार्टा से होगा। लोपेज ने पहले दौर में वियतनाम की गुयेन थी थू नी को 5-0 से हराया था।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार में बुधवार को भी गिरावट दर्ज की गयी। इससे पहले गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। बाजार में पिछले चार कारोबारी सत्र से यह दौर जारी है। बड़ी कंपनीयों रिलायंस इंडस्ट्रीज और इन्फोसिस के शेयरों में भारी बिकवाली के साथ ही विदेशी संस्थागत निवेशकों की भारी बिकवाली से भी घरेलू बाजार पर दबाव आया जिससे यह टूटने लगा। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में हुए लाभ को खोने के कारण अंत में 276.46 अंक करीब 0.51 फीसदी के नुकसान के साथ ही 54,088.39 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 72.95 अंक तकरीबन 0.45 फीसदी नीचे आकर 16,167.10 अंक तक खिसक गया। सुबह हालांकि बाजार की तेजी से शुरुआत हुई थी पर कुछ समय बाद ही उसने ये बढ़त गंवा दी।

सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में लार्सन एंड टुब्रो, बजाज फिनसर्व, एनटीपीसी, बजाज फाइनेंस, मारुति सुजुकी, पावरग्रिड, इन्फोसिस और आईटीसी के शेयर नुकसान में रहे। वहीं इसके विपरीत एक्सिस बैंक, इंडसइंड बैंक, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल के शेयरों को लाभ हुआ। वहीं एशिया के अन्य बाजारों की बात करें तो जापान का निक्की, हांगकांग का हैंगसेंग और चीन का शंघाई कंपोजिट बढ़त के साथ बंद हुए जबकि दक्षिण कोरियो के कॉस्पी में गिरावट आई। यूरोप के बाजार दोपहर के सत्र में बढ़त पर कारोबार कर रहे थे जबकि अमेरिकी शेयर बाजारों में मजबूती दर्ज की गयी।

बंदरगाह मंत्रालय ने उलझी संपत्तियों के निपटान के लिए दिए निर्देश

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत सरकार के बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने प्रमुख बंदरगाहों पर सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) वाली उलझी परियोजनाओं के शीघ्र समाधान के लिए दिशानिर्देशों को अंतिम रूप दे दिया है। एक आधिकारिक दस्तावेज से यह जानकारी मिली है। जानकारी के अनुसार, इन दिशानिर्देशों का उद्देश्य दबाव वाली संपत्तियों की श्रेणी में आने वाली परियोजनाओं का पुनरुद्धार करना है। इन दिशानिर्देशों से मुकदमेबाजी में फंसे मामलों के समाधान का भी रास्ता खुलेगा।

दस्तावेज के अनुसार, बंदरगाह संपत्तियों को दोबारा बोली लगाकर फिर से इस्तेमाल में लाया जाएगा। इससे करीब 2.7 करोड़ टन की कार्गो रखरखाव क्षमता को इस्तेमाल के लिए 'खोला' जा सकेगा। दस्तावेज में कहा गया है कि इससे संभावित निवेशकों के लिए कारोबार के बेहतर अवसर पैदा होंगे और बंदरगाह प्राधिकरण को राजस्व मिलना शुरू होगा। इसके मुताबिक, अटकी परियोजनाओं के त्वरित समाधान से निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा। साथ ही इससे रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।

ब्रिटेन में महंगाई 30 साल के उच्चतम स्तर पर

नई दिल्ली (ईएमएस)। रूस और यूक्रेन के बीच चल रही जंग से कच्चे तेल की कीमत में अ?धिक बढ़ोतरी हो गई है। इससे कई देशों में महंगाई ने कई दशकों का रेकॉर्ड तोड़ ?दिया है। ब्रिटेन में महंगाई 30 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। इससे लोगों को दो जून की रोटी जुटाना भी मुश्किल हो रहा है। देश में मंदी की आहट सुनाई देने लगी है। एक नई रिसर्च के मुताबिक अगले एक साल में करीब 15 लाख परिवार खाने पीने की चीजों और एनर्जी का बिल चुकाने की स्थिति में नहीं होंगे। महंगाई और भारी टैक्स ने उनका बजट बिगाड़कर रख दिया है। एक शोध के मुताबिक ब्रिटेन इस साल मंदी की चपेट में आ जाएगा। उसने लोगों को इस स्थिति से बचाने के लिए वित्त मंत्री ऋषि सुनक से और उपाय करने की अपील की है। वित्त मंत्रालय का कहना है कि सरकार लोगों की हरसंभव मदद कर रही है। बताया जा रहा है ?कि महंगाई की सबसे ज्यादा मार गरीब परिवारों पर पड़ी है। बैंक ऑफ इंग्लैंड का कहना है कि कुछ ही महीनों में महंगई 10 फीसदी तक पहुंच सकती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सरकार को मई से अक्टूबर के बीच यूनिवर्सल क्रेडिट में हर हफ्ते 25 पाउंड की बढ़ोतरी करनी चाहिए। इससे सरकार पर 1.3 अरब पाउंड का बोझ पड़ेगा। अगर उन्हें यह सपोर्ट नहीं दिया गया तो इससे देश में गरीबी बढ़ेगी। इससे लाखों परिवारों के सामने भूखों मरने की नौबत आ जाएगी।

खाद्य तेलों के दामों में उबाल, सरकार चिंतित, सीतारमण बोली- दाम कम करने बना रहे रणनीति

नई दिल्ली (ईएमएस)। खाद्य तेलों की आसमान छूती कीमतों के कारण सब्जियों का तड़का फीका हो चला है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि यूक्रेन और रूस के बीच संघर्ष के बाद खाद्य तेलों के आयात के लिए भारत नए बाजारों की तलाश पर विचार कर रहा है। भारत खाद्य तेल का बहुत बड़ा हिस्सा आयात करता है। सीतारमण के मुताबिक, दोनों देशों के बीच संघर्ष के कारण भारत को कई बाधाओं का सामना करना पड़ा है। सीतारमण ने कहा, 'सभी जानते हैं कि रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध जारी है। तेल आयात करने में कई समस्याएं हैं। आप जानते हैं कि हम खाद्य तेल का आयात नहीं कर पा रहे हैं। हमें वहां से सूरजमुखी का तेल मिल रहा था।' सरकार अब कई अन्य बाजारों से खाद्य तेलों का आयात कर रही है और नए बाजारों पर भी विचार कर रही है।

वित्त मंत्री के मुताबिक, यूक्रेन-रूस संघर्ष के कारण उद्योगपतियों के लिए भी निर्यात के लिए उन बाजारों में अवसर पैदा हुआ है। इससे पहले, यूक्रेन और रूस कुछ बाजारों में निर्यात कर रहे थे। अब वे निर्यात नहीं कर रहे हैं। हमें उन देशों में निर्यात करने का अवसर मिला है। उद्योगपतियों को प्रत्येक चुनौती को अवसर में बदलने का मौका देखना चाहिए। केंद्र सरकार उन्हें समर्थन देने के लिए हमेशा तैयार है। इंडोनेशिया और मलेशिया भारत को पाम तेल के प्रमुख आपूर्तिकर्ता हैं। कच्चा सोयाबीन तेल मुख्य रूप से अर्जेंटीना और ब्राजील से आयात किया जाता है। वहीं, कच्चा सूरजमुखी तेल यूक्रेन और रूस से आयात किया जाता रहा है। इंडोनेशिया के खाद्य तेल निर्यात पर रोक के फैसले और अन्य कारणों से तेल के दाम उछाल पर हैं।

इंडियन कमोडिटी एक्सचेंज की मान्यता समाप्तः सेबी

नई दिल्ली (ईएमएस)। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने इंडियन कमोडिटी एक्सचेंज लिमिटेड की मान्यता रद्द करते हुए कहा कि एक्सचेंज के पास पर्याप्त संख्या में अनुभवी कर्मचारी और अपेक्षित वित्तीय क्षमता का अभाव है। सेबी ने कहा ?कि नतीजतन आईसीईएक्स एक मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज नहीं रहेगा। आईसीईएक्स (भारतीय जिंस एक्सचेंज) को केंद्र सरकार द्वारा स्थायी आधार पर अक्टूबर, 2009 में जारी एक अधिसूचना के माध्यम से वायदा अनुबंध के तहत एक एक्सचेंज के रूप में मान्यता दी गई थी। नेटवर्थ की आवश्यकता, सेबी निरीक्षण के निष्कर्ष और बुनियादी ढांचे जैसे कई आधार के मोर्चे पर गैर-अनुपालन के बाद नियामक ने अपनी मान्यता वापस ले ली है। सेबी ने अपने आदेश में कहा कि नवंबर, 2021 तक आईसीईएक्स की कुल संपत्ति 93.43 करोड़ रुपये थी, जो जनवरी, 2022 तक घटकर 86.45 करोड़ रुपये रह गई। नियमों के अनुसार प्रत्येक मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज के पास हर समय न्यूनतम नेटवर्थ 100 करोड़ रुपए होना आवश्यक है।

नियामक ने कहा कि एक्सचेंज पर चलाए जा रहे अनुबंधों में से कोई भी बड़ी मात्रा को नहीं दर्शा रहा था। तय मानकों के अनुपालन और नियामकीय मुद्दों के साथ-साथ निगरानी जैसे सबसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए कर्मचारियों की कमी ने एक्सचेंज में स्थिति को बहुत अनिश्चित बना दिया है, जिससे इसके अस्तित्व की निरंतरता संदिग्ध हो जाती है। एक्सचेंज से प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ने अब इस्तीफा दे दिया है। इसके अलावा एक्सचेंज ने उल्लेख किया है कि अनुभवी कर्मचारी, कंपनी में शामिल होने के इच्छुक नहीं हैं। इसके अलावा तीन मौजूदा लोकहित निदेशकों में से दो पहले ही एक्सचेंज के बोर्ड से इस्तीफा दे चुके हैं। हालांकि, उन्हें अभी पद पर बने रहने को कहा गया है।

सोना फिर हुआ सस्ता, चांदी की कीमत भी घटी

नई दिल्ली (ईएमएस)। वै?श्विक बाजारों में कीमती धातुओं में नरमी की वजह से एमसीएक्स पर बुधवार को सोने की कीमत 0.46 फीसदी की गिरावट आई और इसका भाव टूटकर 50,352 रुपए रह गया। चांदी के दाम में भी 0.55 फीसदी की कमी आई है और इस गिरावट के बाद इसका दाम घटकर 60,286 रुपये प्रति किलोग्राम रह गया है। बीते कारोबारी सत्र में बढ़त के बाद बुधवार को एक बार फिर कीमती कीमती धातुओं के भाव में तेजी आई है। यहां बता दें कि आभूषण बनाने के लिए ज्यादातर 22 कैरेट का ही इस्तेमाल होता है। कुछ लोग 18 कैरेट सोने का भी इस्तेमाल करते हैं। आभूषण पर कैरेट के हिसाब से हॉल मार्क बना होता है। 24 कैरेट सोने के आभूषण पर 999 लिखा होता है, जबकि 23 कैरेट पर 958, 22 कैरेट पर 916, 21 कैरेट पर 875 और 18 कैरेट पर 750 लिखा होता है। देश भर में सोने के आभूषणों की कीमत उत्पाद शुल्क, राज्य करों और मेकिंग चार्ज के कारण बदलती रहती है।

रुपये की गिरावट से शार्ट-टर्म में भारतीय निर्यातक होंगे लाभांवित

नई दिल्ली (ईएमएस)। पूंजी बाजार में डॉलर के बनिस्पत रुपये की गिरावट आम बात है। इसमें कोई संशय नहीं है कि रुपये की गिरावट से मुद्रास्फीति की दर बढ़ रही है और भारत में महंगाई लगातार ऊपर की तरफ रुख किए हुए है। भारत के लिए ये स्थिति इसलिए अच्छी नहीं है, क्योंकि भारत शुद्ध रूप से एक इम्पोर्ट करने वाला देश है। मतलब भारत निर्यात के मुकाबले आयात ज्यादा करता है। पिछले वित्त वर्ष में व्यापार घाटा 192.24 बिलियन डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था। महंगे ईंधन और खाद्य मुद्रास्फीति के लगातार बढ़ने के चलते रिजर्व बैंक ने पहले ही अपने पॉलिसी रेट्स में 40 आधार अंकों (0.40 फीसदी) की वृद्धि कर दी है।

परंतु, रुपये में बड़ी गिरावट के बीच भारत के पारंपरिक निर्यात जैसे कि आईटी, कृषि उत्पाद, कपड़ा, चाय, चमड़ा और इंजीनियरिंग गुड्स प्रतिस्पर्धा में बढ़त हासिल कर सकते हैं। लाइव मिंट की एक स्पेशल खबर के मुताबिक निर्यातकों का कहना है कि उन्हें अपने विदेशी शिपमेंट के लिए बेहतर मूल्य मिलने की संभावना है, खासकर डॉलर के मुकाबले वाले बाजारों में। एक अधिकारी ने कहा, अगर रुपया और कमजोर होता है तो कृषि निर्यात और बेहतर हो सकता है। चावल और गेहूं का निर्यात विशेष रूप से कंपीटिटिव होगा और निर्यातकों को अधिक ऑर्डर प्राप्त करने में मदद मिलेगी। एक ब्रोकरेज रिपोर्ट के अनुसार, 2021 में कुल निर्यात का 11.4 फीसदी कृषि निर्यात शामिल था।

भारत के सबसे बड़े जूता निर्माताओं और निर्यातकों में से एक, फरीदा समूह के अध्यक्ष रफीक अहमद ने कहा कि रुपये की कमजोरी छोटे समय के लिए लाभ दे सकती है, ''यह थोड़ा और पैसा बनाने में मदद करता है।'' उन्होंने आगे कहा कि लेकिन ज्यादातर निर्यातकों को कच्चा माल आयात करना पड़ता है और ट्रांसपोर्ट की लागत भी चुकानी होती है तो ऐसे में यह सबकुछ बराबर करने जैसा है। रफीक अहमद ने कहा कि रुपये में कमजोरी से हमें बांग्लादेश और चीन की करेंसी, इस समय वो भी गिरी हुई हैं, से मुकाबला करने में मदद करेगा।

चाय के निर्यातकों को लगता है कि सब जगहों पर कमजोर रुपये का फायदा नहीं होगा। टी एक्सपोर्ट्स एसोसिएशन के चेयरमैन अंशुमन कानोरिया के हवाले से लाइव मिंट ने लिखा कि रुपये की कमजोरी से केवल वहीं लाभ होगा, जहां डॉलर में कारोबार होता है। क्योंकि डॉलर के मुकाबले रुपये में कमजोरी आई है, परंतु यूरो और येन के मुकाबले वार्षिक आधार पर रुपया मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि रूस और यूएई में तो फायदा होगा, मगर यूरोपियन देशों और जापान में नहीं। चाय के निर्यात की बात करें तो भारत की चाय सबसे ज्यादा रूस में जाती है, और उधर श्रीलंका के घरेलु हालात खराब हैं। श्रीलंका के खराब आर्थिक स्थिति के चलते भारत के चाय निर्यातकों के लिए ज्यादा विकल्प खुल गए हैं।

इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (ईईपीसी) के पूर्व अध्यक्ष अनुपम शाह ने कहा कि रुपये में हो रही गिरावट से निश्चित तौर पर निर्यात बढ़ाने में मदद मिलेगी, लेकिन इस लाभ की सीमा ग्लोबल डिमांड, कच्चे माल की कीमतों, मुद्रास्फीति और यूक्रेन संकट समेत कई अन्य कारकों पर निर्भर करेगी बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस का कहना है, चूंकि भारत आमतौर पर निर्यात से अधिक आयात करता है, 'इसलिए अंततः करेंसी की गिरावट होने के बाद भारत को आयात के लिए अधिक भुगतान करना होगा।' उन्होंने कहा, 'इसके अलावा, जब मुद्रा का अवमूल्यन होता है, तो एफपीआई निवेश करने के लिए ललचाते हैं। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि आरबीआई क्या करता है। यह रुपये की रेंज निर्धारित करेगा।'

कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि भिन्न-भिन्न तरह की वैश्विक परिस्थितियों के बीच भारतीय रुपये के गिरने से निर्यातकों को फायदा तो हो सकता है, लेकिन उनके लिए सबसे बड़े सिरदर्द महंगा कच्चा माल, महंगा ईंधन और ट्रांसपोर्ट की बढ़ती लागत बने हुए हैं।

ड्रैगन के हौंसले बुलंद, चीन बना रहा पहला परमाणु एयरक्राफ्ट कैरियर, टेंशन में आया अमेरिका

बीजिंग (ईएमएस)। ड्रैगन के हौंसले बुलंद हैं दरअसल चीन ने अपने चौथे एयरक्राफ्ट कैरियर के लिए पायलट ट्रेनिंग की तैयारी शुरू कर दी है। चीन के इस प्रयास से अमेरिका तनाव में आ गया है। नई सैटेलाइट तस्वीरों के हवाले से रक्षा विशेषज्ञों ने यह दावा किया है। पिछले साल आई सैटेलाइट तस्वीरों में चीन के तीसरे और सबसे बड़े कैरियर टाइप 003 को देखा गया था जिसका परीक्षण जल्द ही किया जा सकता है। हालांकि टाइप 004 का काम शुरू हुआ है या नहीं, यह अभी स्पष्ट नहीं है। चीन अपनी सेना को 'युद्ध' के लिए तैयार करने का दावा करता है। चीनी नौसेना में पहले से ही स्की जंप वाले दो एयरक्राफ्ट कैरियर शामिल हैं।

खबरों के अनुसार मार्च की सैटेलाइट तस्वीरों में लियाओनिंग प्रांत में पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के एयरबेस में कई जे-15 कैरियर बेस्ड लड़ाकू विमानों के साथ दो एफसी-31 गिरफॉल्कन स्टील्थ लड़ाकू विमानों को देखा गया था। यह इन दो विमानों की पहली तस्वीर थी। पांचवी जेनेरेशन के स्टील्थ विमान एफसी-31, जे-15 की तुलना में छोटे होते हैं। चीन ने अपने सबसे बड़े कैरियर टाइप 003 का निर्माण 2018 में शुरू किया था। एक साथ खड़े इन लड़ाकू विमानों की तस्वीर यह संकेत दे रही है कि चीन के मौजूदा कैरियर लिओनिंग और शेडोंग से उड़ान भरने वाले 'फ्लाइंग शार्क' लड़ाकू विमान जे-15 के बाद एफसी-31 भी अब जहाज से उड़ाने वाला लड़ाकू विमना बन सकता है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि बेस पर एफसी-31 और जे-15 की संयुक्त मौजूदगी इस बात का संकेत हो सकती है कि चीन चौथे एयरक्राफ्ट कैरियर के लिए परिचालन तैयारी कर रहा है।

माना जा रहा है कि चीन इस साल के आखिर में टाइप 003 का परीक्षण कर सकता है। चीन का लक्ष्य 2030 तक चार एयरक्राफ्ट कैरियर बनाकर अमेरिका के बाद दुनिया में दूसरी सबसे बड़ी आधुनिक नौसेना बनने का है। लिओनिंग और शेडोंग की तरह टाइप 003 एयरक्राफ्ट कैरियर भी एक पारंपरिक डीजल से चलने वाला प्लेटफॉर्म है। जबकि चीन के चौथे कैरियर के परमाणु रिएक्टरों से लैस होने की उम्मीद है।

भारत-चीन के बीच रिश्तों में दरार '2020 हिंसक संघर्ष' के कारण, आगे भी रहेंगे तनावपूर्ण हालात

वॉशिंगटन (ईएमएस)। भारत-चीन के बीच रिश्तों में दरार '2020 हिंसक संघर्ष' के कारण बढी जो आगे भी रहेंगी। 'यूनाइटेड स्टेट्स इंटेलिजेंस कम्युनिटी' ने सांसदों से कहा कि 2020 में 'हिंसक झड़प' के मद्देनजर भारत और चीन के बीच संबंध 'तनावपूर्ण' रहेंगे। उसने भारत और पाकिस्तान के बीच किसी भी तरह के संभावित संकट पर भी चिंता व्यक्त की है। 'यूनाइटेड स्टेट्स इंटेलिजेंस कम्युनिटी' ने कांग्रेस की एक सुनवाई के दौरान सीनेट की सशस्त्र सेवा समिति के समक्ष खतरों के संबंध में अपना वार्षिक आकलन पेश करते हुए मंगलवार को कहा कि भारत और चीन दोनों के विवादित सीमा पर सैन्य मौजूदगी बढ़ाने से दोनों परमाणु शक्तियों के बीच सशस्त्र टकराव का खतरा बढ़ता है, जो संभवतः अमेरिकी नागरिकों एवं हितों के लिए सीधे तौर पर खतरनाक हो सकता है। उसने इस संबंध में अमेरिका से हस्तक्षेप का आह्वान भी किया।

उसने कहा, 'भारत और चीन के बीच संबंध 2020 में हिंसक संघर्ष के मद्देनजर तनावपूर्ण बने रहेंगे।' रिपोर्ट में कहा गया कि पिछले गतिरोध से पता चलता है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर निरंतर टकराव में तेजी आने की आशंका है। भारत ने लगातार इस बात पर जोर दिया है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर शांति और सौहार्द द्विपक्षीय संबंधों के समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण है। पैंगोंग झील क्षेत्रों में हिंसक झड़प के बाद पांच मई 2020 को भारत और चीन की सेना के बीच पूर्वी लद्दाख सीमा पर गतिरोध शुरू हुआ था। दोनों पक्षों ने धीरे-धीरे वहां हजारों सैनिकों और भारी हथियारों के साथ अपनी मौजूदगी बढ़ाई है। भारत और चीन ने पूर्वी लद्दाख विवाद को सुलझाने के लिए अब तक 15 दौर की सैन्य वार्ता की है।

वार्ता के परिणामस्वरूप, दोनों पक्षों ने पिछले साल पैंगोंग झील के उत्तर तथा दक्षिण छोर से और गोगरा क्षेत्र में पीछे हटने की प्रक्रिया पूरी की। दोनों देशों के एलएसी पर संवेदनशील क्षेत्र में अभी करीब 50,000 से 60,000 सैनिक तैनात हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि भारत और पाकिस्तान के बीच विवाद भी चिंता का विषय बना है। रिपोर्ट के अनुसार, 'पाकिस्तान का भारत विरोधी आतंकवादी संगठनों का सहयोग करने का एक लंबा इतिहास रहा है।' रिपोर्ट में कहा गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस बात की संभावना अधिक है कि भारत, पाकिस्तान की ओर से किसी भी उकसावे के प्रति सैन्य कार्रवाई कर सकता है।

चीनी शोध का खुलासा- चंद्रमा की मिट्टी पैदा कर सकती है ऑक्सीजन और ईंधन

लंदन (ईएमएस)। बचपन में बच्चों को बहलाने के लिए माताएं चंदा मामा दूर के वाले गीत का प्रयोग करती हैं लेकिन चीन के ताजा शोध इस कल्पना के उलट चंद्रमा पर इंसान के रहने योग्य हालात बनाने प्रक्रिया में लगे हैं। इसमें वहां लंबे समय तक रहने के लिए इंसानी मूलभूत जरूरतें जैसे पानी और हवा, लंबे समय के लिए ऊर्जा स्रोत, अन्य रिहायशी सामानों के लिए निर्माण तंत्र, आदि शामिल हैं। चीनी वैज्ञानिकों ने अपने अध्ययन में बताया है कि चंद्रमा की मिट्टी में ऐसे सक्रिय पदार्थ हैं जो कार्बन डाइऑक्साइड को ऑक्सीजन और ईंधन में बदल सकते हैं। ये नतीजे उन चीनी नूमनों के पड़ताल से निकली है जो पिछले साल चंद्रमा से धरती पर मानवरहित चीनी अभियान में लाई गए थे।

चीनी वैज्ञानिकों की यह रिपोर्ट जूल जर्नल में प्रकाशित हुई है। अब शोधकर्ता इस बात की पड़ताल कर रहे हैं कि क्या चंद्रमा के संसाधनों का वहां पर और उससे आगे होने वाले मानवीय अनवेषण के लिए उपयोगी हो सकते हैं या नहीं। नानजिंग यूनिवर्सिटी के पदार्थ वैज्ञानिक यिंगफांग याओ और जिंगांग झोऊ एक ऐसा तंत्र विकसित करने का प्रयास कर रहे हैं जिससे चंद्रमा की मिट्टी और वहां के सौर विकिरणों का लाभ उठाया जा सके। ये दोनों ही चीजें चंद्रमा पर बहुतायत में मिलने वाले संसाधन हैं। चीन के चांग ई 5 अंतरिक्ष यान से पृथ्वी पर लाई गई मिट्टी का विश्लेषण करने के बाद वैज्ञानिकों की टीम ने पाया कि इन नमूनों में लौह समृद्ध और टाइटेनियम समृद्ध पदार्थ हैं। इन पदार्थों में कैटालिस्ट यानि उत्प्रेरक के तौर पर काम करने की क्षमता है जिससे सूर्य के प्रकाश और कार्बनडाइऑक्साइड से ऑक्सीजन जैसे उत्पाद निकल सकते हैं।

अपने अवलोकनों के आधार पर टीम ने 'पृथ्वी की बाहर प्रकाश संश्लेषण' की तकनीक का प्रस्ताव दिया है। इस सिस्टम में चंद्रमा की मिट्टी का उपयोग पानी में इल्केट्रोलिसिस की प्रक्रिया में किया जाएगा जो चंद्रमा और अंतरिक्ष यात्रियों की श्वसन प्रक्रिया से मिलेगा। इस प्रक्रिया में सूर्य की रोशनी की मदद से ऑक्सीजन और हाइड्रोजन मिलेंगे। चंद्रमा पर रहने वाले लोगों की सांसों से निकलने कार्बन डाइऑक्साइड भी जमा की जाएगी और इलेक्ट्रोलिसिस से मिली हाइड्रोजन से उसे मिलाया जाएगा। इसमें हाइड्रोजनेशन प्रक्रिया में मिट्टी उत्प्रेरक का काम करेगी। इससे मीथेन जैसे हाइड्रोकार्बन निकलेंगे जिन्हें ईंधन के तौर पर इस्तेमाल में लाया जा सकेगा।

शोधकर्ताओं का कहना है कि इस कार्यनीति में सूर्य की रोशनी के अलावा किसी भी तरह की बाहरी ऊर्जा का इस्तेमान नहीं होगा। इससे कई तरह के उत्पाद, जैसे पानी, ऑक्सीजन, और ईंधन मिल सकते हैं। जो चंद्रमा पर जीवन का समर्थन के लिए बहुत उपयोगी होंगे। टीम इस सिस्टम का परीक्षण चीन के भावी अभियानों में करने कोशिश करेगी। याओ ने बताया कि उन्होंने 'मौके पर मौजूद' पर्यवारणीय संसाधनों का उपयोग किया है जिससे रॉकेट के नीतभार को कम किया जा सके और उनकी कार्यनीति पृथ्वी से बाहर के जीवन वाले वातावरण में एक संधारणीय और वहनीय परिदृश्य दे रही है। शोध में बताया गया है कि चंद्रमा की मिट्टी में मिलने वाले उत्प्रेरक पृथ्वी पर पाए जाने वाले उत्प्रेरकों से कम कारगर हैं।

शोधकर्ताओं का कहना है कि वे अपना सिस्टम और बेहतर और कारगर करने का प्रयास कर रहे हैं। इससे पहले जो इन उद्देश्यों के लिए कार्यनीतियों के प्रस्ताव दिए गए हैं, उनमें अधिकांश को पृथ्वी से ही ऊर्जा स्रोत ले जाने की जरूरत है। इसमें नासा के पर्सिवियरेंस मार्स रोवर में भेजा गया उपकरण है जो कार्बन डाइऑक्साइड से ऑक्सीजन बनाता है लेकिन उसे नाभकीय बैटरी की जरूरत पड़ती है। याओं कहते है कि जिस तरह 17वीं सदी समुद्री यात्रा का युग बन गया था। यह सदी अंतरिक्ष की सदी बन रही है।

चीन ने सोलोमन आइलैंड पर बनाया सैन्य बेस, अमेरिका को आपत्ति

बीजिंग (ईएमएस)। चीन ने प्रशांत महासागर के छोटे से तटीय देश सोलोमन में सैन्य बेस बनाया है। कुछ दिन पहले ही चीन ने सोलोमन द्वीप के साथ एक नये सिक्योरिटी एग्रीमेंट का ऐलान किया था। चीन ने दावा किया था कि ये सहमति द्वीप में शांति और मजबूती के लिहाज से दोनों देशों के लिए फायदेमंद है। लेकिन ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, न्यूजीलैंड और जापान समेत कई देशों ने इस समझौते को लेकर ऐतराज जताया।

ऑस्टेलिया सोलोमन द्वीप के साथ काफी समय से काम कर रहा है। लेकिन अब चीन इसमें दखल देना चाहता है। जिससे साफ प्रतीत होता है कि समझौते का सबसे ज्यादा असर ऑस्ट्रेलिया पर ही पड़ेगा। चीन के साथ इस सुरक्षा समझौते को लेकर सोलोमन द्वीप के विदेश मंत्री जेरेमी मनेले से ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री मारिस पायने के साथ मुलाकात भी की थी। इस दौरान ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री ने अपनी परेशानी की जानकारी मनेले के साथ साझा भी की। बता दें कि इस समझौते की वजह से चीन को सोलोमन द्वीप में मिलिट्री बेस बनाने की छूट मिल गई। जो प्रशांत महासागर के इलाके में चीन का पहला मिलिट्री बेस होगा।

ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका की चिंताओं का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने इस समझौते को रोकने की उम्मीद में अपने डेलीगेशन को सोलोमन द्वीप भी भेजा था। चीन ने पूरी रणनीति के तहत अपने मिलिट्री बेस को बनाया है। सोलोमन द्वीप की कुल जनसंख्या 7 लाख के करीब है। चीन के पास घोषित तौर पर अफ्रीका में एक सैन्य अड्डा जिबूती में है। इसे 2017 में एक नौसैनिक सुविधा के लिए बनाया गया था।

श्रीलंका- दंगाइयों से घिरे पूर्व पीएम महिंदा राजपक्षे ने परिजनों संग ली नौसैनिक अड्डे पर ली पनाह

कोलंबो (ईएमएस)। आर्थिक संकट से बेहाल श्रीलंका गृहयुद्ध के मुहाने पर है और इस दौरान भड़की हिंसा के बीच पूर्व प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे और उनके परिवार ने देश के उत्तर-पूर्वी हिस्से में स्थित त्रिंकोमाली में एक नौसैनिक अड्डे पर शरण ली है। पूर्व प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे और उनके परिवार के कुछ सदस्यों के कोलंबो स्थित आधिकारिक आवास से निकलने के बाद त्रिंकोमाली नौसैनिक अड्डे पर मौजूद होने की खबरें सामने आने के बाद लोगों ने विरोध प्रदर्शन करना शुरू कर दिया।

श्रीलंका में तत्कालीन प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे के समर्थकों द्वारा, देश में घोर आर्थिक संकट पर उन्हें हटाने की मांग कर रहे सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों पर हमला करने के बाद सोमवार को हिंसा भड़क गई थी। कोलंबो और अन्य शहरों में हुई हिंसा में 200 से अधिक लोग घायल भी हुए हैं। देश में आर्थिक संकट के बीच सोमवार को महिंदा राजपक्षे ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। इस घटनाक्रम से कुछ घंटे पहले महिंदा राजपक्षे के समर्थकों द्वारा राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के कार्यालय के बाहर प्रदर्शनकारियों पर हमला करने के बाद राजधानी कोलंबो में सेना के जवानों को तैनात किया गया था और राष्ट्रव्यापी कर्फ्यू लगा दिया गया था। खबर अनुसार, प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास 'टेंपल ट्रीज' से निकलने के बाद महिंदा राजपक्षे और उनके परिवार के कुछ सदस्यों के वहां पहुंचने की खबरों के बाद त्रिंकोमाली नौसैनिक अड्डे के सामने विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है। त्रिंकोमाली श्रीलंका के उत्तर-पूर्वी तट पर स्थित एक बंदरगाह शहर है। हंबनटोटा में राजपक्षे के पैतृक आवास सहित कई राजनीतिज्ञों के घरों में सोमवार को आगजनी की गई थी। गौरतलब है कि वर्ष 1948 में ब्रिटेन से आजादी मिलने के बाद श्रीलंका अब तक के सबसे गंभीर आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा है। यह संकट मुख्य रूप से विदेशी मुद्रा की कमी के कारण पैदा हुआ जिसका अर्थ है कि देश मुख्य खाद्य पदार्थों और ईंधन के आयात के लिए भुगतान नहीं कर पा रहा है।

भारत अपने सैनिकों को श्रीलंका नहीं भेजेगा : भारतीय उच्चायोग

कोलंबो (ईएमएस)। श्रीलंका में हिसंक झड़पों के बीच भारतीय उच्चायोग ने इन आशंकाओं को नकारते हुए कहा कि भारत अपने सैनिकों को श्रीलंका नहीं भेजेगा। साथ ही उच्चायोग ने कहा कि द्वीपीय देश के लोकतंत्र, स्थिरता तथा आर्थिक सुधार का भारत पूरी तरह से समर्थन करता है। श्रीलंका 1948 में ब्रिटेन से आजाद होने के बाद से सबसे खराब आर्थिक संकट से जूझ रहा है। देश में विदेशी मुद्रा की भारी कमी हो गई है, जिससे वह खाद्य पदार्थों और ईंधन के आयात के लिए भुगतान नहीं कर पा रहा है। इस कारण देश में व्यापक स्तर पर सरकार विरोधी प्रदर्शन किए जा रहे हैं।

भारतीय मिशन ने ट्वीट किया, 'उच्चायोग, मीडिया और सोशल मीडिया मंचों पर में भारत द्वारा श्रीलंका में अपने सैनिकों को भेजे जाने के बारे में आ रही खबरों का खंडन करता है। ये खबरें और इस तरह के विचार भारत सरकार के रुख से मेल नहीं खाते।' मिशन ने एक अन्य ट्वीट में कहा, ''भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कल स्पष्ट रूप से कहा था कि भारत, श्रीलंका के लोकतंत्र, स्थिरता तथा आर्थिक सुधार का पूरी तरह से समर्थन करता है।

थाइलैंड का 'शैतान बाबा', श्रद्धाओं को पीने को देता था पेशाब और कफ, शिविर में बरामद हुई 11 लाशें

बैंकॉक (ईएमएस)। दुनिया कथित बाबाओं की करतूतों से परेशान है अब थाइलैंड में एक शैतानी बाबा का खुलासा हुआ है जिसके कारनामों से आपका दिल दहल जाएगा। पुलिस ने छैयाफुम प्रांत से एक शैतान बाबा को गिरफ्तार किया है। ये बाबा एक पंथ चलाता है, जिसमें उसके अनुयायी लाशों की पूजा करते थे। बाबा भक्तों को पेशाब पीने के लिए देता और अपना कफ खाने के लिए कहता था। पुलिस ने इस बाबा को जंगल से गिरफ्तार किया है, जहां उन्हें 11 लाशें मिली हैं। इस बाबा की पहचान थावी नानरा (75) के रूप में हुई है। ये जंगल के बेहद अंदर कैंप बना कर रहता था। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने छापा मारा। पुलिस को सूचना देने वाले एक व्यक्ति ने बताया कि एक महिला ने जानकारी दी है कि उसकी मां बाबा के पास गई थी, लेकिन अब उन्हें वापस नहीं लौटने दिया जा रहा है। कई रिपोर्टों में कहा गया है कि जब पुलिस थावी नानरा को गिरफ्तार करने गई तो उसके अनुयायी भिड़ गए और उसे ले जाने से रोकने की कोशिश की।

पुलिस ने कहा कि ये बाबा चार साल से अपना पंथ एक दूर दराज के गांव के जंगल में चलाता था, जिसके कारण कभी उसका पता नहीं चला। थावी लगभग अपने एक दर्जन चेलों के साथ जंगल में रहता था। छापेमारी में पुलिस ने 11 शवों को बरामद किया है। शव घर के चारों तरफ बिखरे थे। माना जा रहा है कि ये शव उसके अनुयायियों के हैं। शवों को लेकर थावी ने कहा कि उसने आत्माओं को स्वर्ग में लौटने की प्रतीक्षा तक शवों को संग्रहीत किया। रेड के दौरान चेलों ने बताया कि बाबा अपने पेशाब और कफ से रोगों का इलाज करता है। घर के बाहर पांच ताबूतों में शव मिले हैं, जिसमें से एक शिशु और उसकी मांग का है। शरीर से निकलने वाले द्रव्य बाहर बह सकें इसके लिए सभी ताबूतों में छेद किए गए थे। थावी ने अधिकारियों को बताया कि उसके सभी चेले यहां अपनी मर्जी से हैं। उसने किसी पर भी यहां रुकने के का दबाव नहीं बनाया।

मामले का पता तब चला जब 53 साल की खुन जेनजिरा ने अधिकारियों से शिकायत की कि उसकी मां को घर वापस लौटने नहीं दिया जा रहा। उसने कहा, 'मैं अपनी मां से मिलने गई। मैंने वहां देखा कि एक महिला ड्रेस कोड में लोगों को रहने को कह रही थी। सभी को वहां जाने से पहले अपने जूते निकालने होते थे। मेरे लिए सबसे आश्चर्यजनक अपनी मां को देखना था।' उसने आगे कहा, 'मैंने अपनी मां को देखा कि वह बाबा का कफ अपने चेहरे पर लगा रही थीं। वह उसका थूक पी रही थीं। वहां बाबा के 11 भक्तों के शव थे। मेरी मां ने भी कहा कि मरने के बाद मैं उसका शव वहीं पर छोड़ दूं। वहां कोविड 19 के किसी भी नियम का पालन नहीं हो रहा था। बाबा के भक्तों का कहना था कि उन्हें कोरोना छू भी नहीं सकता।' शैतान बाबा थावी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसे जमानत नहीं मिली सकी है।

चीनी कंपनियों ने 300 अरब डॉलर के पेंडिंग भुगतान को लेकर पाक में परिचालन बंद करने दी चेतावनी

इस्लामाबाद (ईएमएस)। सीपीईसी योजना को लेकर पाकिस्तान पर चीन का शिकंजा कसता जा रहा है। पाकिस्तान में चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) परियोजना के तहत काम कर रही चीन की करीब 25 कंपनियों ने 300 अरब डॉलर का भुगतान नहीं मिलने पर इस महीने अपना परिचालन बंद करने की चेतावनी दी है। एक पाकिस्तानी अखबार के अनुसार, पाकिस्तान के योजना और विकास मंत्री अहसान इकबाल की अध्यक्षता में आयोजित एक बैठक के दौरान चीन के स्वतंत्र बिजली उत्पादकों (आईपीपी) ने यह बात कही है। इस दौरान, सीपीईसी परियोजना के तहत ऊर्जा, संचार, रेलवे जैसे क्षेत्रों में काम कर रही चीन की 30 कंपनियों भी मौजूद रहीं। बैठक के दौरान बिजली का उत्पादन करने वाली कंपनियों ने 300 अरब पाकिस्तान रुपये (15,95,920,800 डॉलर) का भुगतान नहीं मिलने को लेकर कड़ी नाराजगी जताई। चीन की स्वतंत्र बिजली उत्पादकों के लगभग 25 प्रतिनिधियों ने चेतावनी दी है कि अगर उनका भुगतान नहीं किया जाएगा, तो वे कुछ दिन के भीतर काम करना बंद कर देंगे।

साफ पानी के स्त्रोत और होते जा रहे हैं साफ

-जलवायु परिवर्तन के अध्ययन दे रहे हैं नए पैटर्न के संकेत

वाशिंगटन (ईएमएस)। नए सैटेलाइट आंकड़ों से पता चला है कि पूरी दुनिया में ही साफ पानी के स्त्रोत और साफ होते जा रहे हैं और वहीं खारा पानी और भी खारे होते जा रहे हैं। इतना ही नहीं यह सब बहुत तेज गति से हो रहा है। जलवायु परिवर्तन के नए अध्ययन नए तरह के पैटर्न के संकेत दे रहे हैं। ताजा शोध में जलवायु परिवर्तन के चलचक्र पर एक बड़ा खुलासा हुआ है। अगर ऐसा ही चलता रहा तो इससे तूफान और तीव्र और घातक हो जाएंगे।

यह पड़ताल दर्शाती है कि वैश्विक स्तर के जलचक्र की गति में बहुत तेजी आने वाली है।ये संकेत को अभी तक महासागरों की लवणता के सीधे मापनों से हासिल नहीं किए जा सके थे.जैसे जैस वैश्विक तापमान बढ़ रहा है, जलवायु वैज्ञानिक आशा कर रहे हैं कि महासागरों की सतह पर वाष्पीकरण की मात्रा बढ़ती जाएगी।इससे समुद्रों की शीर्ष परत और खारी होती जाएगी और वायुमंडल में नमी बढ़ती जाएगी।इसका नतीजा यह होगा कि दुनिया के दूसरे हिस्सों में बारिश की मात्रा बढ़ जाएगी और वहां की पानी के खुले स्त्रोत कम खारे होते जाएंगे, यानि साफ पानी के स्त्रोत और भी साफ होते जाएगी।नम का और भी नाम होना और सूखे का और भी सूखा होना चिंता का विषय हो जाएगा।अगर जल चक्र गति में ग्लोबल वार्मिंग के साथ तेजी आई तो इसका हम सभी पर बहुत गहरा असर होगा।सूखा, पानी की कमी और तेज तूफान एवं बाढ़ के हालात देखने को मिलेंगे।इस प्रक्रिया के कारण बर्फ के पिघलने की गति में भी तेजी आ गई होगी।क्योंकि ध्रुवीय इलाकों में भी बारिश बढ़ रही है।शोधकर्ताओं का कहना है कि वायुमडंल में इस तरह से ज्यादा मात्रा में पानी का परिसंचरण पिछले कुछ समय से ध्रुवों पर बढ़ रही बारिश की व्याख्या भी कर सकता है।

इससे इन इलाकों में बर्फ भी तेजी से पिघलने लगी है।उत्तरी और दक्षिणी दोनों ही ध्रुवों पर ऐसे कम ही इलाके हैं जहां सतह पर लवणता का मापन होता है।लेकिन नए सैटेलाइट के आंकड़े इस मामले में वैश्विक परिदृष्य मुहैया करा रहे हैं.अध्ययन में बताया गया है कि महासागरों में जहां हवा बहुत तेज नहीं रह जाती, सतह का पानी गर्म हो जाता है, लेकिन वहां पानी के नीचे ऊष्मा नहीं जा पाती है इससे नीचे की सतहों की तुलना में ऊपरी सतह का ज्यादा खारी होती जाती है। इस वाष्पीकरण का प्रभाव सैटेलाइट पकड़ लेते है।इससे पता चलता है कि वायुमंडल और महासागर उम्मीद से कहीं ज्यादा मजबूती से आपस में अंतरक्रिया करते हैं.हाल के जलवायु प्रतिमान अनुमान लगाते हैं कि हर डिग्री गर्म होने पर पृथ्वी के जलचक्र में सात प्रतिशत की तेजी आ सकती है।इसका मतलब यही है कि इससे औसतन 7 प्रतिशत ज्यादा नमी और 7 प्रतिशत ज्यादा सूखा देखने को मिलेगा।सैटेलाइट इन्हीं अनुमानों क पुष्टि करते दिख रहे हैं।कटिबंधीय क्षेत्रों और मध्य अक्षांशों में लवणता के लिए गए मापन और सैटालाइट के मापन में खासा अंदर देखने को मिला है। सैटेलाइट मापन पृथ्वी के जल चक्र में स्पष्ट बदलाव दिखाते हैं.सतह की लवणता सतह के नीचे की लवणता की तुलना में ज्यादा धीरे कम होती है और इन्हीं इलाकों में देखा गया है कि सतह का समद्री तापमान में इजाफा होता हैऔर मिलने वाली परत की गहराई और हवा की तीव्रता में भी कमी देखी गई है।

हाल ही में इंटरनेशनल पैनलऑन क्लाइमेट चेंज की रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि अगर हमें ग्लोबल वार्मिंग को 2 डिग्री तक ही रोक पाए तो चरम मौसमी घटनाएं वे उस स्तर से 14 प्रतिशत तीव्र होंगी जो औद्योगिक क्रांति की शुरुआत के समय थीं।यह एक चिंताजनक बात है, जब एक चौथाई दुनिया पानी की कमी से जूझ रही है।शोधकर्ताओं का कहना है कि भावी महासागरों के प्रतिमानों में सैटेलाइट लवणता के आंकडों को शामिल किए जाने चाहिए।भविष्य में ग्रीष्मलहर, सूखे और तूफानों की तीव्रता ना बढ़े यह सुनिश्चित करने का एकमात्र तरीका है कि ग्लोबल वार्मिंग को सीमित किया जाए।इस मामले में हम इंसान अभी बहुत कुछ कर सकते हैं।

पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था : गुजरात के रोडमैप से संबंधित डॉ. हसमुख अढिया की रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंपी

अहमदाबाद (ईएमएस) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भारत को पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए दिए गए विजन साकार करने की दिशा में गुजरात ने अनूठी पहल करते हुए रणनीति-रोडमैप बनाया है। इस संदर्भ में गुजरात सरकार द्वारा गठित कार्य बल के अध्यक्ष डॉ. हसमुख अढिया ने गांधीनगर में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को यह रोडमैप सौंपा। वित्त मंत्री कनुभाई देसाई, मुख्य सचिव पंकज कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. राजीव कुमार गुप्ता, मनोज दास, कमल दयानी, मुकेश पुरी और पंकज जोषी सहित अन्य वरिष्ठ प्रधान सचिव और सचिव इस मौके पर उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री को इस रोडमैप-रणनीति का विस्तृत ब्यौरा देते हुए कार्य बल के अध्यक्ष डॉ. हसमुख अढिया ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा गठित किए गए इस कार्य बल ने केवल 3 महीने की छोटी अवधि में यह रोडमैप तैयार किया है। इतना ही नहीं, इस रोडमैप को तैयार करने के लिए राज्य सरकार के सभी विभागों के अलावा लगभग 15 हितधारकों के सुझाव प्राप्त कर रणनीति में उसका समावेश किया गया है। डॉ. हसमुख अढिया ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री ने यह अपेक्षा व्यक्त की थी कि पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के विजन को साकार करने के लिए प्रत्येक राज्य अपना रोडमैप-रणनीति तैयार करें। इस अपेक्षा को गुजरात ने अनूठी पहल करते हुए पूर्ण किया है। उन्होंने यह रोडमैप प्रधानमंत्री कार्यालय, नीति आयोग और भारत सरकार में प्रस्तुत करने का भी सुझाव दिया।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस रोडमैप-रणनीति में सुझाए गए तथ्यों के कार्यान्वयन के लिए गहन ढांचा विकसित करने की मंशा व्यक्त की। भूपेंद्र पटेल ने यह भी कहा कि भारत को पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के प्रधानमंत्री के विजन को सिद्ध करने को गुजरात प्रतिबद्ध है।

डॉ. हसमुख अढिया ने इस रोडमैप का विस्तृत प्रेजेन्टेशन भी प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि यदि भारत को पांच ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था का लक्ष्य वित्तीय वर्ष 2026-27 तक हासिल करना है, तो गुजरात को अपने आर्थिक विकास को और तेजी देने की आवश्यकता है। वर्ष 2021 में राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में गुजरात की हिस्सेदारी 8.36 फीसदी है, जिसे बढ़ाकर 10 फीसदी तक ले जाना होगा। उसका अर्थ यह होता है कि गुजरात में अगले पांच वर्ष की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर 14.5 फीसदी होनी आवश्यक है, जो पिछले दशक में लगभग 12.3 फीसदी रही थी। डॉ. अढिया ने कहा कि राज्य की अर्थव्यवस्था में मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र मुख्य पहलू है। कार्य बल द्वारा कुल 9 नए आर्थिक क्षेत्रों की वृद्धि पर ध्यान केंद्रित करने का सुझाव दिया गया है। जिसमें ग्रीन एवं स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग, टेक्नोलॉजी का उपयोग और सप्लाई चेन के लिए जरूरी सटीक पद्धति और कार्य रीति पर विशेष जोर देने का सुझाव दिया गया है। अर्थव्यवस्था में सेवा क्षेत्रों (सर्विस सेक्टर) की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी (फिनटेक), पर्यटन क्षेत्र जिसमें चिकित्सा पर्यटन भी शामिल है, उन्हें पूंजीनिवेश मिले और इन क्षेत्रों का विकास हो, साथ ही सेवा संबंधित क्षेत्रों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली बुनियादी ढांचा सुविधा स्थापित करने के लिए बजटीय संसाधनों की जरूरत एवं आयोजन पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित करने का सुझाव दिया गया है। डॉ. अढिया ने आगे कहा कि गुजरात में पर्यटन क्षेत्र में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के विकास की तर्ज पर कुल 5 से 6 पर्यटन क्लस्टर को विकसित करने का सुझाव दिया है। राज्य में आईटी, पर्यटन और अन्य क्षेत्रों में पूंजीनिवेश आकर्षित करने के लिए 4 से 5 मुख्य हवाई अड्डों की अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी में सुधार के लिए प्रयास करने को भी उन्होंने इस रोडमैप में सुझाव दिया है।

राज्य के सेवा संबंधित क्षेत्रों को शहरी क्षेत्रों में विकसित करने के लिए राज्य को गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट सिटी) की तरह ही अन्य विश्वस्तरीय शहरी केंद्र विकसित करने की आवश्यकता रहेगी। उन्होंने सुझाव दिया कि शहरी क्षेत्रों के विकास के लिए मेट्रो रेल, रिंग रोड, अर्बन मास ट्रांसपोर्ट और अर्बन हाउसिंग जैसे क्षेत्रों में व्यापक मात्रा में पूंजीनिवेश की आवश्यकता होगी। उन्होंने सुझाव दिया कि गुजराती लोगों की उद्यमिता का कुशलता से उपयोग करने के लिए स्टार्टअप को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता रहेगी। गुजरात राज्य में उत्पादित वस्तुओं के निर्यात के मामले में काफी आगे है। उन्होंने सुझाव दिया कि सेवा संबंधित निर्यात के लिए नेतृत्व प्रदान करना आवश्यक है, उसके क्रियान्वयन के लिए महत्वपूर्ण सुझाव कार्य बल की रिपोर्ट में दिए गए हैं। डॉ. अढिया ने कहा कि गुजरात का भारत में एक रणनीतिक स्थान है और कोस्टल डेवलपमेंट यानी तटीय विकास और ब्लू इकोनॉमी के विकास के लिए बड़े पैमाने पर पूंजीनिवेश आवश्यक है। यह तटीय समुदायों के आर्थिक उत्कर्ष के लिए व्यापक अवसर प्रदान करेगा तथा पर्यटन एवं पोर्ट कनेक्टिविटी के विकास की व्यापक संभावनाओं को प्रोत्साहित करेगा।

रोडमैप-रणनीति के अन्य मुद्दों के संबंध में उन्होंने कहा कि गुजरात नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रसर है। दीर्घावधि तक ऊर्जा की जरूरतों की पूर्ति के लिए राज्य को व्यापक स्तर पर नवीकरणीय ऊर्जा, माइक्रो ग्रिड्स और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी पर विशेष जोर देना होगा। यह बहुत आवश्यक है कि ग्रीन हाइड्रोजन और सेमी कंडक्टर का उत्पादन करने की दिशा में राज्य सरकार पहल करे। राज्य के कृषि क्षेत्र के विकास के लिए खेती-बाड़ी की विकसित पद्धतियां और टेक्नोलॉजी की मदद से कृषि उत्पादन बढ़ाना बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की आय बढ़ाने के लिए पशुपालन, बागवानी, मत्स्य उद्योग और पोल्ट्री फॉर्मिंग जैसे क्षेत्रों का विकास करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राज्य द्वारा सभी आर्थिक एवं औद्योगिक क्षेत्रों के विकास के लिए आवश्यक मानवबल उपलब्ध हो सके, उसके लिए उच्च शिक्षा और लोगों का कला-कौशल बढ़ाने वाले क्षेत्रों में भी एक अद्यतन और कार्यकुशल इकोसिस्टम विकसित करना होगा।

डॉ. अढिया ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि कार्य बल की यह रिपोर्ट सभी हितधारकों, सरकार के अधिकारियों, निजी क्षेत्र और शैक्षणिक संस्थानों के साथ परामर्श के बाद तैयार की गई है। इस रिपोर्ट में बताई गई तमाम रणनीतियां राज्य के आर्थिक विकास के लिए और पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था को साकार करने में काफी उपयोगी साबित होगी।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कार्य बल द्वारा बहुत कम समय में गहन प्रयास कर रणनीति और उसके क्रियान्वयन के आयोजन को रिपोर्ट के रूप में तैयार करने के कार्य की सराहना की। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि प्रधानमंत्री के पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के विजन को साकार करने के लिए राज्य सरकार कटिबद्ध है और कार्य बल की रिपोर्ट में सुझाए गए सभी सुझावों के कार्यान्वयन के लिए राज्य सरकार एक गहन कार्यान्वयन तंत्र विकसित करेगी।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुजरात की तारीफ कर मांगा एक मौका

राजकोट (ईएमएस) दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आज राजकोट में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए गुजरात की तारीफ कर आगामी विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) को एक अवसर देने की अपील की। राजकोट के शास्त्री मैदान में केजरीवाल की सभा का आयोजन किया गया था और इसका नाम 'एक मौका केजरीवाल को' दिया गया था। आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर आयोजित इस जनसभा को सौराष्ट्र आम आदमी पार्टी के नेता समेत गुजरात प्रदेश आप के प्रमुख गोपाल इटालिया, आप नेता इसुदान गढवी इंद्रनील राज्यगुरु इत्यादि उपस्थित रहें। इस मौके पर केजरीवाल ने गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील पर बड़े प्रहार किए। उन्होंने कहा कि गुजरात के लोग सीआर पाटील को गुजरात का सीएम कहते हैं। कुछ दिन पहले सीआर पाटील के महाठग के बयान पर पलटवार करते हुए अरविंद केजरीवाल ने लोगों से सवाल किया 'क्या आपको मैं ठग लगता हूं? क्या शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए काम करनेवाला ठग होता है?' पर्चे लीक होने के मुद्दे पर दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार को परीक्षा कराना नहीं आती वह सरकार क्या चलाएगी? उन्होंने कहा कि मुझे राजनीति नहीं काम करना आता है। राज्य की शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए केजरीवाल ने कहा कि गुजरात में सरकारी स्कूलों की स्थिति बेहद खराब है। सरकारी स्कूलों की छतें टूटी हुई हैं, कई स्कूलों में कमरे ही नहीं हैं। जबकि दिल्ली में हमने सरकारी स्कूलों का विकास किया है और इन स्कूलों का परिणाम 99.99 प्रतिशत आ रहा है। दिल्ली में हमारी सरकार है जिसने पिछले 3 साल में 50 हजार से ज्यादा वृद्धों को तीर्थ यात्रा कराई है। लेकिन गुजरात में 27 वर्षों से सत्तारूढ़ भाजपा सरकार ने अब तक एक भी वृद्ध को तीर्थ यात्रा नहीं कराई। अगर आम आदमी पार्टी की सरकार बनती है तो गुजरात में भी यह योजना शुरू की जाएगी। केजरीवाल ने कहा कि जिस प्रकार दिल्ली और पंजाब की जनता उनसे प्यार करती है, उसी तरह अब गुजरात के लोग भी मुझे प्यार करने लगे हैं। दिल्ली में मुझे गुजरात के कई लोग मिलने आते हैं।

47 डिग्री तापमान में झुलसा अहमदाबाद, राज्य के 8 शहरों में गर्मी का पारा 45 डिग्री के पार

अहमदाबाद (ईएमएस) शहर समेत गुजरातभर में भीषण गर्मी ने कहर बरपा रखा है। मई महीने के मध्य में पहुंचने से पहले राज्यभर में गर्मी से हाहाकार मच गया है। राज्यभर में आसमान से शोले बरस रहे हैं। आज अहमदाबाद में तापमान 47 डिग्री पर पहुंच गया। जिसे देखते हुए अहमदाबाद रेड अलर्ट जारी किया गया था। अहमदाबाद के अलावा राज्य के 8 शहरों का तापमान 45 डिग्री के आसपास दर्ज हुआ। भीषण गर्मी से बचने के लिए लोग खासकर दोपहर के वक्त घरों से बाहर नहीं निकल रहें। गत रविवार से उत्तर-पश्चिम की हवा चलने के बाद राज्यभर में अचानक गर्मी बढ़ी है। बंगाल की खाड़ी में एक लो प्रेशर बना है, जिसके असर से हवा की पेटर्न बदली है, इसी कारण पाकिस्तान, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र इत्यादि राज्यों में भीषण गर्मी पड़ रही है। अहमदाबाद में पिछले 7 दिन से तापमान 42 डिग्री के पार ही रहा है, जिसे देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया था। इससे पहले दो दिन के लिए अहमदाबाद, गांधीनगर और पाटन में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया था। जबकि दो दिन के लिए सुरेन्द्रनगर और कच्छ में यलो अलर्ट जारी किया गया था। अहमदाबाद में आज रेड अलर्ट जारी किया गया था। अहमदाबाद के अलावा गांधीनगर, ईडर, मेहसाणा, हिम्मतनगर समेत उत्तर गुजरात में गर्मी ने हाहाकार मचा रखा है। राज्यभर में आज अहमदाबाद सबसे गर्म रहा। जहां गर्मी का पारा 47 डिग्री दर्ज हुआ। वहीं मेहसाणा में 46 डिग्री, खेडा में 46 डिग्री, आणंद में 45 डिग्री, बोटाद में 45 डिग्री, पंचमहल में 45 डिग्री, साबरकांठा में 45 डिग्री, सुरेन्द्रनगर में 45 डिग्री, बनासकांठा में 44 डिग्री, भरूच में 44 डिग्री, दाहोद में 44 डिग्री, नर्मदा में 44 डिग्री, वडोदरा में 44 डिग्री, मोरबी में 43 डिग्री, राजकोट में 43 डिग्री, गिर सोमनाथ में 42 डिग्री, कच्छ में 42 डिग्री, अरवल्ली में 41 डिग्री, छोटाउदेपुर में 41 डिग्री, जूनागढ़ में 41 डिग्री, जामनगर में 37 डिग्री, सूरत में 37 डिग्री, पोरबंदर में 34 डिग्री और देवभूमि द्वारका में 33 डिग्री तापमान रिकार्ड हुआ।

गुजरात बोर्ड की कक्षा-१२ साइंस का आज परिणाम

अहमदाबाद, ११ मई। गुरुवार को सुबह में गुजरात माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा कक्षा-१२ साइंस का परिणाम घोषित किया जाएगा। इसके साथ गुजकेट यानी कि गुजरात कॉमन एंट्रन्स टेस्ट का (गुजकेट-२०२२) भी परिणाम गुरुवार को ही घोषित किया जाएगा। पिछले दो वर्ष से कोरोना की वजह से विद्यार्थियों की परीक्षा पर असर पड़ रही थी हालांकि, चालू शैक्षणिक वर्ष में कोरोना काबू में आने पर निश्चित टाइम टेबल के अनुसार परीक्षाएं ली गई थी। परीक्षा के परिणाम मामले में शिक्षा मंत्री जीतू वाघाणी ने भी ट्वीट करके जानकारी दी गई है। शिक्षा मंत्री ने ट्वीट करके जानकारी दी है कि, कक्षा-१२ साइंस का परिणाम गुरुवार को यानी कि १२ मई को सुबह में १० बजे घोषित किया जाएगा।

यह परिणाम के साथ ही गुजकेट-२०२२ का परिणाम भी घोषित किया जाएगा। उन्होंने दोपहर में डेढ़ बजे के बाद यह जानकारी दी है। इस वर्ष में नियम टाइम टेबल के अनुसार परीक्षा ली गई है तब विद्यार्थियों ने भी रिजल्ट का आतुरता से इंतजार में बैठे थे। अब गुरुवार को सुबह में उनके इंतजतार का अंत आएगा। गुजरात माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा १८ अप्रैल को ली गई गुजरात कॉमन एंट्रन्स टेस्ट (गुजकेट-२०२२) की परीक्षा ली गई थी। इसके बाद २८ अप्रैल को प्रोविजनल आंसर की घोषित की गई थी और पेशकश मंगवाई गई थी। गुरुवार को कक्षा-१२ साइंस का परिणाम घोषित करने के साथ विद्यार्थियों को संबंधित विस्तृत जानकारियां भी बताई जाएगी। कक्षा-१२ विज्ञान प्रवाह के विद्यार्थी ख्ख्ख्.द्दह्यद्दड्ढ्ढ.ह्वद्द.ष्ठ्ठ पर से अपने परिणाम सीट नंबर के आधार पर देख सकेंगे। गुरुवार को कक्षा-१२ साइंस के बाद आगामी दिनों में कक्षा-१२ सामान्य प्रवाह और कक्षा-१० के परिणाम कब घोषित होंगे इस मामले में घोषणा की जाएगी। कक्षा-१० का तथा १२ सामान्य प्रवाह का परिणाम जून महीने में या मई के अंतिम सप्ताह में घोषित किया जा सकता है।

गहराए मतभेद, गुजरात दौरे पर गए राहुल गांधी और हार्दिक पटेल के बीच नहीं हुई आमने-सामने बैठक

गांधीनगर (ईएमएस)। गुजरात कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष हार्दिक पटेल और पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के साथ मतभेद गहरे हो गए हैं। मंगलवार को गुजरात दौरे के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पाटीदार नेता हार्दिक पटेल के साथ बैठक करने से परहेज किया। राहुल गांधी ने दाहोद में एक जनसभा में हार्दिक पटेल के साथ मंच भी साझा किया, लेकिन उनके बीच आपस में कोई बातचीत नहीं हुई। माना जा रहा है कि पिछले कुछ हफ्तों में एक से अधिक मौकों पर हार्दिक पटेल ने कांग्रेस नेतृत्व की खुले तौर पर आलोचना की है, इसकी वजह से राहुल गांधी उनसे नाराज हैं।

हार्दिक पटेल ने हालांकि इस घटना को कमतर आंकते हुए कहा कि राहुल गांधी का केवल रैली को संबोधित करने और मंगलवार को आदिवासी विधायकों और नेताओं से मिलने का कार्यक्रम था। हार्दिक पटेल और कांग्रेस के बीच बढ़ती तनातनी के बीच, पाटीदार नेता के धीरे-धीरे भाजपा की ओर बढ़ने की बात जोर पकड़ रही है, जबकि गुजरात में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। इन अटकलों ने तब गति पकड़ी जब राज्य सरकार को हार्दिक पटेल के खिलाफ पाटीदार आरक्षण आंदोलन के दौरान दायर मामलों को वापस लेने के लिए अदालतों में सक्रिय रूप से आवेदन करते देखा गया।

वहीं जब हार्दिक पटेल से राहुल गांधी के साथ व्यक्तिगत मुलाकात नहीं होने पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि उनके और राहुल गांधी के बीच मंगलवार को व्यक्तिगत मुलाकात का कार्यक्रम नहीं था। योजना के अनुसार, उन्हें जनसभा को संबोधित करना था और फिर आदिवासी विधायकों और नेताओं से मिलना था। मैं उनसे थोड़ी देर के लिए मिला और जनसभा के बाद जाने की अनुमति ले ली। मुझे एक हफ्ते में उनसे दिल्ली में मिलना है।

कांग्रेस के एक प्रमुख सूत्र ने पुष्टि की कि राहुल गांधी व्यक्तिगत रूप से हार्दिक पटेल से मिलने से बचते रहे। राहुल गांधी भाजपा की प्रशंसा करने और राज्य के पार्टी नेताओं की आलोचना करने वाले हार्दिक पटेल के बयानों से नाराज हैं। इससे पार्टी को नुकसान हुआ है। पटेल के खिलाफ मामले वापस लेने की भाजपा सरकार की उत्सुकता स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि उनका झुकाव अब भाजपा की ओर हो रहा है।

कांग्रेस ने हार्दिक पटेल को कम उम्र में एक महत्वपूर्ण पद और समर्थन दिया था, लेकिन वह पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त रहे हैं। सूत्र ने कहा कांग्रेस कुछ समय तक उनके व्यवहार पर नजर रखेगी और फिर आगे की कार्रवाई के बारे में फैसला करेगी। राज्य के खुफिया विभाग के प्रमुख सूत्रों ने कहा, राहुल गांधी हार्दिक पटेल सहित सभी राज्य कांग्रेस नेताओं के साथ आमने-सामने की बैठक से बचते थे। लेकिन ऐसा लगता है कि पाटीदार नेता ने भाजपा के लिए एक सॉफ्ट कॉर्नर विकसित कर लिया है। राहुल के हार्दिक पटेल से नहीं मिलने पर राज्य भाजपा ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल आज भरूच में करेंगे 13 हज़ार लाभार्थियों को लाभों का वितरण

अहमदाबाद (ईएमएस) प्रधानमंत्री की वर्चुअल उपस्थिति में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल द्वारा 12 मई को भरूच में 13 हज़ार लाभार्थियों को विभिन्न लाभों का वितरण किया जाएगा। भरूच जिला प्रशासन द्वारा शुरू की गई 'उत्कर्ष पहल' के अंतर्गत गंगा स्वरूपा बहनों को राज्य सरकार द्वारा वित्तीय सहायता के लिए कार्यरत योजना, राष्ट्रीय वृद्ध सहायता योजना, निराधार वृद्ध वित्तीय सहायता योजना तथा राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना के 100 प्रतिशत लाभार्थियों को लाभों का वितरण किया जाएगा। यह कार्यक्रम भरूच ज़िला प्रशासन तथा अंकलेश्वर इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के द्वारा भरूच ज़िले के भोलाव स्थित दूध धारा डेयरी मैदान में आयोजित होगा। इस कार्यक्रम में ज़िला प्रशासन द्वारा 'उत्कर्ष पहल' के अंतर्गत गंगा स्वरूपा बहनों को राज्य सरकार की ओर से वित्तीय सहायता के लिए कार्यरत योजना राष्ट्रीय वृद्ध सहायता योजना, निराधार वृद्ध वित्तीय सहायता योजना तथा राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना के अंतर्गत देशभर में पहली बार 100 प्रतिशत लाभार्थियों को शामिल किया गया है। इस योजना के लाभार्थियों के साथ प्रधानमंत्री संवाद भी करेंगे। इस कार्यक्रम में सड़क एवं भवन विभाग के मंत्री तथा ज़िला प्रभारी मंत्री पूर्णेश मोदी, सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग के मंत्री प्रदीप परमार, महिला एवं बाल कल्याण विभाग की राज्यमंत्री मनीषा वकील, सांसद सी. आर. पाटिल, गुजरात विधानसभा के उपमुख्य दंडक दुष्यंत पटेल, सांसद मनसुख वसावा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे।

मंदिर से लाउड स्पीकर उतारने की धमकी देनेवाले शख्स के अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर

बोटाद (ईएमएस) देश के विभिन्न राज्यों में चल रहे लाउड स्पीकर विवाद की गूंज अब गुजरात तक पहुंच गई है। गुजरात के बोटाद में सिराज उर्फ डॉन नाम से कुख्यात असामाजिक तत्व ने मंदिर से लाउड स्पीकर उतारने की धमकी दी थी। ऐसा नहीं करने पर जान से मार देने की भी धमकी दी थी। बोटाद शहर विश्व हिन्दू परिषद के प्रमुख को दी गई धमकी के बाद हरकत में आई पुलिस ने सिराज को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे धकेल दिया। दूसरी ओर बोटाद नगर पालिका ने इस कुख्यात शख्स के अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाकर उसे ध्वस्त कर दिया। विश्व हिन्दू परिषद के बोटाद शहर प्रमुख महेन्द्र लालजीभाई माली को गत 5 मई 2022 को सिराज ने अपनी कार में बिठाकर हनुमान जी के मंदिर से लाउड स्पीकर उतार लेने की धमकी दी थी। इतना ही नहीं सिराज ने धमकी दी थी कि अगर लाउड स्पीकर नहीं उतारे तो किशन भरवाड की तरह हत्या कर दी जाएगी तो तुम मेरा क्या कर लोगे? तुम्हारा अपहरण भी कर लूंगा तो मेरा कोई कुछ बिगाड़ नहीं पाएगा। अपनी सीमा में रहो वर्ना जान से मार दूंगा। घटना की शिकायत मिलते ही बोटाद पुलिस हरकत में आई और सिराफ उर्फ डोन को गिरफ्तार कर उसकी गुंडई उतार सलाखों के पीछे ठूंस दिया। अब बोटाद नगर पालिका भी हरकत में आ गई है और पुलिस बंदोबस्त के साथ सिराज के गैरकानूनी निर्माणों का ढहा दिया। नगर पालिका के मुताबिक इस घटना का सिराज की धमकी से कोई लेना देना नहीं है। प्रशासन ने केवल उसके गैरकानूनी निर्माण पर बुलडोजर चलाया है।

पश्चिम रेलवे द्वारा अप्रैल, 2022 में गहन टिकट जाँच अभियान के दौरान जुर्माने के तौर पर रिकॉर्ड राशि प्राप्तम किया गया

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे द्वारा अनधिकृत यात्रा पर रोक लगाने के लिए नियमित टिकट जाँच अभियान चलाये जा रहे हैं। लगभग 2100 टिकट जांच कर्मचारियों की मदद से चलाए गए इन गहन जांच अभियानों से पश्चिम रेलवे को अनियमित यात्रा के मामलों से 21.82 करोड़ रुपये प्राप्तग हुए। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार अप्रैल, 2022 में की गई जांच के दौरान बिना बुक किए सामान के मामलों सहित बिना टिकट/अनियमित यात्रा के लगभग 3.10 लाख मामलों का पता चला, जिनसे 21.82 करोड़ रुपये की वसूली हुई। अप्रैल, 2022 के महीने के दौरान 183 भिखारियों को पकड़ा गया और उन्हें बाहर किया गया। 99 अनधिकृत फेरीवालों को भी पकड़ा गया, जिनमें से 20 को जुर्माना लगाया गया और रेलवे बकाया के रूप में उनसे 5,300 रुपये की वसूली की गई तथा 79 व्यक्तियों पर मुकदमा चलाया गया और 10,900 रुपये का जुर्माना वसूल किया गया। अप्रैल, 2022 में दलालों और अन्य असामाजिक तत्वों के खिलाफ 54 गहन जांच किए गए। परिणामस्वरूप, 217 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया तथा रेल अधिनियम 1989 की विभिन्न धाराओं के तहत उन पर मुकदमा चलाया गया और कोर्ट फाइन के रूप में उनसे 24,800 रुपये की वसूली की गई।

45 वर्षीय शख्स ने नाबालिग से किया दुष्कर्म, आत्महत्या की कोशिश के बाद घटना सामने आई

अहमदाबाद (ईएमएस) शहर के यूनिवर्सिटी क्षेत्र में 45 वर्षीय एक शख्स ने 17 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ दो दफा दुष्कर्म किया और वीडियो रिकार्ड कर उसे धमकी दे रहा था। पूरी घटना उस समय सामने आई जब पीड़िता ने नींद की गोलियां खाकर आत्महत्या की कोशिश की। पुलिस ने आरोपी शख्स को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की है। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के यूनिवर्सिटी क्षेत्र में रहनेवाले 45 वर्षीय शख्स ने अपने पड़ौस में रहनेवाली 17 वर्षीय लड़की को उसके हाथ में बने टेटू निकालने के लिए अपने घर में बुलाया था। पड़ौसी होने के नाते लड़की की मां को भी शख्स पर पूरा भरोसा था, इसलिए बेटी को उसके घर भेज बाहर चली जाती। टेटू हटाने के बहाने शख्स ने लड़की को अपने घर बुलाकर पहली बार दुष्कर्म किया और वीडियो रिकार्ड कर दिया। मौका पाकर अधेड़ ने दोबारा लड़की के साथ दुष्कर्म किया और उसे धमकी भी दी। शख्स की धमकी से परेशान होकर पीड़ित लड़की ने आखिरकार नींद की गोलियां खाकर आत्महत्या की कोशिश की, तब पूरी घटना सामने आई और परिवार ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवा दी। जिसके आधार पर पुलिस ने आरोपी शख्स को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में पता चला आरोपी विवाहित है और उसका परिवार राजस्थान में रहता है। पड़ौसी होने की वजह से लड़की माता को शख्स पर पूरा भरोसा था, इसीलिए वह अपनी बेटी को उसके घर छोड़ कामवश बाहर चली जाती थी। अक्सर छेड़छाड़ और दुष्कर्म जैसे ज्यादातर गंभीर मामलों में परिचित ही आरोपी निकलते आए हैं। ऐसे ही एक परिचित शख्स ने भरोसा तोड़कर मासूम लड़की के साथ दुष्कर्म किया।

तलाला यार्ड में १६ दिन में केसर आम की ५० हजार बॉक्स की आय

तलाला गीर, ११ मई। तालाला क्षेत्र में इस वर्ष में केसर आम की ८० फीसदी फसल नष्ट हुई हो मार्केटिंग यार्ड में बिक्री के लिए आते केसर आम की बॉक्स में इसकी असर दिखाई देती है। तालाला मार्केटिंग यार्ड में से प्राप्त हुई जानकारी के अनुसार यार्ड में इस वर्ष २६ अप्रैल से केसर आम की सीजन शुरू हुई थी, १६ दिन में यार्ड में १० किलोग्राम के सिर्फ ५० हजार बॉक्स की आय हुई है। गत वर्ष में प्रथम १६ दिन में यार्ड में १० किलोग्राम के २ लाख से ज्यादा बॉक्स की आय हुई थी। तालाला क्षेत्र में इस वर्ष में केसर आम की फसल को ग्लोबल वोर्मिंग नष्ट कर गया हो तालाला क्षेत्र के ४५ गांव में स्थित १५ लाख से भी ज्यादा केसर आम के पेड़ों में से सिर्फ २० फीसदी आम के पेड़ में आम का फल आया है किसानों को लगातार दूसरे वर्ष में भी हाथ में आया पैसा चला गया हो किसान निराश हो गये है। कम फसल की वजह से तालाला मार्केटिंग यार्ड में बिक्री में आती केरी की कीमत रिकॉर्डतोड़ स्तर पर है जिससे १६ दिन में यार्ड में स्थित ५० हजार बॉक्स के ४ करोड़ से ज्यादा रकम की उपज हो गई हो किसानों को राहत मिली है।

रेलवे भर्ती बोर्ड द्वारा एनटीपीसी भर्ती के लिए दूसरे चरण की सीबीटी परीक्षा में 6559 उम्मीदवार शामिल हुए

रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी), मुंबई द्वारा लेवल 6 और लेवल 4 के लिए 09 और 10 मई, 2022 को सीईएन 01/2019 नॉन-टेक्निकल पॉपुलर कैटेगरी (एनटीपीसी) भर्ती के दूसरे चरण के लिए कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी) का आयोजन किया गया। कुल निर्धारित उम्मीदवार 9,927 में से 6,559 उम्मीदवार सीबीटी के लिए परीक्षा में उपस्थित हुए। पहली बार, उम्मीदवारों के लिए आधार आधारित प्रमाणीकरण किया गया। शेडयूलिंग इस तरह से की गई कि एक आरआरबी के उम्मीदवारों को एक ही प्रश्न पत्र दिया गया ताकि सामान्यीकरण की कोई आवश्यकता न हो। आरआरबी, मुंबई की कुल उपस्थिति लगभग 66ड्ड रही। उम्मीदवारों की आवाजाही की सुविधा के लिए भारतीय रेलवे द्वारा विशेष ट्रेनें चलाई गईं। पश्चिम रेलवे द्वारा इस परीक्षा में भाग लेने के लिए उम्मीकदवारों की सुविधा के लिए बांद्रा टर्मिनस-वेरावल परीक्षा स्पेशल, इंदौर-जयपुर परीक्षा स्पेएशल एवं राजकोट-रीवा परीक्षा स्पेगशल ट्रेनें चलाई गईं।

पश्चिम रेलवे - अहमदाबाद मण्डल
ट्रेक मशीनों के पीओएच हेतु विभिन्न सामग्रीयों की आपूर्ति
ई-निविदा सूचना सं. 04 2022-23. दिनांक: 05.05.2022. निविदा सं. सीई/सीपीओएच/एडीआई/ 22-23-3 (1) कार्य का नाम: वर्ष 2022-23 हेतु सीपीओएच अहमदाबाद के अंतर्गत ट्रेक मशीनों के पीओएच के लिए विभिन्न प्रकार के बोल्ट्स, नट्स एवं वॉशर्स की आपूर्ति। (2) एनआईटी अनुमानित लागत: ₹ 18,85,880.00/- (3) ईएमडी: ₹ 37,720.00/- (4) निविदा बंद करने एवं खुलने की तारीख एवं समय: दिनांक: 06/06/2022 को 11:00 बजे एवं दिनांक 06/06/2022 को 11:15 बजे। (5) IREPS पर निविदा अपलोड होने की तारीख: दिनांक: 02/05/2022. वेबसाईट विवरण: https://www.ireps.gov.in ADI-014
हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

इथोस लिमिटेड की इनिटियल पब्लिक ऑफरिंग 18 मई को खुलेगी, मूल्य बैंड का Rs. 836.00 से Rs. 878.00 प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया

अहमदाबाद, 11 मई, 2022: चंडीगढ़ स्थित एथोस लिमिटेड (कंपनी / एथोस) ने अपनी पहली सार्वजनिक पेशकश के लिए Rs. 836.00 से Rs. 878.00 प्रति इक्विटी शेयर पर मूल्य बैंड निर्धारित किया है। कंपनी की प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ या ऑफर) बुधवार, 18 मई, 2022 को सदस्यता के लिए खुलेगी और शुक्रवार, 20 मई, 2022 को बंद हो जाएगी। निवेशक कम से कम 17 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 17 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं।

घ्इ्ध में कुल ". 375 करोड़ के इक्विटी शेयरों का एक नया निर्गम है और 1,108,037 इक्विटी शेयरों तक की बिक्री के लिए प्रस्ताव (ओएफएस) शामिल है।

एथोस का भारत में प्रीमियम और लक्जरी घड़ियों का एक बड़ा पोर्टफोलियो है और ओमेगा, आईडब्ल्यूसी शफहाउसन, जैगर लेकोल्टर, पैनेरई, वलगारी, एच मोजर एंड सी, राडो, लॉन्गिन्स, बॉम एंड मर्सियर, ओरिस एसए, कोरम, कार्ल एफ बुचेरर, टिसो, रेमंड वेइल, लुई मोइने और बाल्मेइन जैसे 50 प्रीमियम और लक्जरी घड़ी ब्रांड के रिटेल विक्रेता है। इनका लक्जरी घड़ी के रिटेल खंड में 20ड्ड और भारत में प्रीमियम और लक्जरी वॉच के रिटेल सेगमेंट में 13ड्ड का स्वस्थ मार्केट शेयर है।

परिचालन से कंपनी का राजस्व वित्त वर्ष 2021 के लिए ". 386.57 करोड़ था, जबकि वर्ष के लिए इसका पुनर्कथन लाभ इसी अवधि के लिए ". 5.78 करोड़ था। दिसंबर 2021 को समाप्त होने वाले नौ महीनों के लिए, संचालन से राजस्व ". 418.59 करोड़ था और इस अवधि के लिए पुनर्कथन लाभ ". 15.98 करोड़ था।

इलेक्ट्रिक वाहनों का उनकी पूरी क्षमता में अनुभव लें

टाटा मोटर्स ने पेश की नई नेक्सॉन ईवी मैक्स, कीमत 17.74 लाख रूपये

मुंबई, 11 मई, 2022 : भारत में यातायात के साधनों के तेजी से इलेक्ट्रिफिकेशन के लिए प्रतिबद्ध, टाटा मोटर्स ने आज पसर्नल मोबिलिटी सेग्मेंट में भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाले इलेक्ट्रिक वाहन का नया मॉडल, नेक्सॉन ईवी मैक्स 17.74 लाख रुपये (एक्सशोरूम-ऑल इंडिया) के शुरुआती आकर्षक दाम पर लॉन्च किया है। इस पेशकश के साथ, टाटा मोटर्स ने इलेक्ट्रिक वाहनों के आकर्षण को बढ़ाने के लिए अपनी नेतृत्व की स्थिति को बनाए रखा है। कंपनी ने उन उपभोक्ताओं को नया ऑफर देने के साथ बाजार का विस्तार किया है, जो अलग-अलग शहरों के बीच लंबी यात्रा के लिए किसी वाहन की तलाश कर रहे थे।

नई नेक्सॉन ईवी मैक्स हाई वोल्टेज की आधुनिक जिपट्रॉन टेक्नोलॉजी से लैस है। यह उपभोक्ताओं के लिए दो ट्रिम ऑफर्स में उपलब्ध होगी, जिसमें नेक्सॉन ईवी मैक्स एक्सजेड+ और नेक्सॉन ईवी मैक्स एक्सजेड+एलयूएक्स शामिल हैं। यह तीन आकर्षक रंगों, इंटेन्सीन-टील(इस मॉडल के लिए यह रंग विशेष तौर पर ऑफर किया जा रहा है). डेटोना ग्रे और प्रिस्टीन व्हाइट रंगों में मिलेगी। डुअल टोन बॉडी कलर को मानक के रूप में पेश किया जाएगा।

पश्चिम रेलवे अहमदाबाद एवं पटना के बीच चलाएगी ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेन

यात्रियों की सुविधा और उनकी मांग को पूरा करने के लिए पश्चिम रेलवे द्वारा अहमदाबाद एवं पटना के बीच विशेष कराये पर ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस स्पेशल ट्रेन का विवरण इस प्रकार हैः

ङ ट्रेन संख्या 09417/09418 अहमदाबाद-पटना साप्ताहिक स्पेशल ड14 फेरे.

ट्रेन संख्या 09417 अहमदाबाद-पटना स्पेशल प्रत्येक सोमवार को अहमदाबाद से 09.10 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 21.00 बजे पटना पहुंचेगी। यह ट्रेन 16 मई से 27 जून, 2022 तक चलेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 09418 पटना-अहमदाबाद स्पेशल पटना से प्रत्येक मंगलवार को 23.45 बजे प्रस्थान करेगी और गुरुवार को 11.20 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी। यह ट्रेन 18 मई से 29 जून, 2022 तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में नडियाड, छायापुरी, रतलाम, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, हिंडौन सिटी, भरतपुर, अछनेरा, मथुरा, कासगंज, फर्रुखाबाद, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, सुल्तानपुर, जौनपुर सिटी, वाराणसी, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा और दानापुर स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 2 टियर, एसी 3 टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

ट्रेन संख्या 09417 की बुकिंग 12 मई, 2022 से यात्री आरक्षण केन्द्रों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। उपरोक्त ट्रेन विशेष किराये पर चलेगी।

ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री www.enquiry.iáianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे अहमदाबाद तथा पटना के बीच ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेन चलाएगी

ट्रेन सं.	प्रारंभिक एवं गंतव्य स्टेशन	सेवा का दिन	प्रस्थान	आगमन
09417	अहमदाबाद - पटना (साप्ताहिक)	16.05.2022 से 27.06.2022	09.10 बजे (सोमवार)	21.00 बजे (मंगलवार)
09418	पटना - अहमदाबाद (साप्ताहिक)	17.05.2022 से 28.06.2022	23.45 बजे (मंगलवार)	11.20 बजे (बृहस्पतिवार)

हॉल्ट स्टेशनः दोनों दिशाओं में नडियाद, छायापुरी, रतलाम, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, हिण्डौन सिटी, भरतपुर, अछनेरा, मथुरा, कासगंज, फ़र्रुखाबाद, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, सुलतानपुर, जौनपुर सिटी, वाराणसी, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा और दानापुर स्टेशन।

संरचनाः वातानुकूलित 2-टीयर, वातानुकूलित 3-टीयर, शयनयान श्रेणी और साधारण द्वितीय श्रेणी कोच।

समय, ठहराव और संरचना के सम्बंध में विस्तृत जानकारी के लिए, यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जा सकते हैं।

ट्रेन नं. 09417 के लिए बुकिंग 12.05.2022 से PRS काउंटर एवं IRCTC वेबसाइट पर शुरु होगी। उपरोक्त ट्रेनें विशेष किराये पर स्पेशल ट्रेन के तौर पर चलेगी

पश्चिम रेलवे
www.wr.indianrailways.gov.in
हमें लाइक करें : facebook.com/WesternRly
हमें फॉलो करें : twitter.com/WesternRly
आज़ादी का अमृत महोत्सव

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के साथ अपना मूल परिचय पत्र भी साथ रखें

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादक: लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95